राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 30 सितंबर 2022 वर्ष–5,अंक–244 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार में बालू पर गैंगवार, 5 की मौत

सैकड़ों राउंड फायरिंग हुई, 9 लोग घायल, माफिया दफन करना चाहते थे शव

पटना। बिहटा में गुरुवार को सोन नदी से अवैध तरीके से बालू निकालने को लेकर माफिया में सैकड़ों राउंड फायरिंग हुई है। इस गोलीबारी में 5 लोगों की मौत हुई है। 9 लोग घायल हैं। मनेर पुलिस ने 4 लोगों की मौत की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि बालू पर वर्चस्व को लेकर बालू माफिया के 2 गुट आपस में भिड़ गए। बात बढ़ते गई और दोनों में फायरिंग शुरू हो गई। माफिया सभी शवों को गायब करना चाहते थे। सुबह करीब 10 बजे के आसपास फायरिंग की गई। दोनों पक्षों के बीच सैकड़ों राउंड देसी और विदेशी हथियारों से फायरिंग की गई। पूरी घटना पटना और भोजपुर जिले की बॉर्डर बीच बिहटा थाना क्षेत्र के अमनाबाद गांव के बीच हुई। इस गोलीबारी में भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के रामपुर प्रतापपुर गांव के अभय कुमार सिंह के 25 साल के बेटे विमलेश कुमार की मौत हुई है। परिजनों ने बताया कि विमलेश मजदूरी करता है। उसके पास फोन आया कि बेटी हुई है। इसके बाद वो अपने घर आ रहा था । इसी बीच कुछ हथियारबंद लोगों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करना शुरू कर दी। जिसमें विमलेश को पीछे से गोली लग गई है। विमलेश के पिता ने बताया कि हम जब तक उसे कोईलवर पीएचसी लेकर आए तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हथियारबंद लोगों ने गोली मारने के बाद विमलेश को नाव पर लाद कर ले जाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन हम लोगों ने जैसे तैसे विमलेश को लेकर वहां से भागे। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल कायम हो गया है। गोलीबारी की घटना में कईयों ने बालू के रेट में छिपकर जान बचाई, कुछ लोगों के मरने की भी चर्चा भी रही।

सुनहरे बालू के अवैध खेल में दर्जनों सक्रिय गैंग काम करते हैं, जो लगातार पुलिस प्रशासन को चुनौती देते रहे हैं। इस सक्रिय गैंग में पीछे सफेदपोश का भी संरक्षण प्राप्त है। कहीं संरक्षण तो

कहीं बंदूक के बल पर बालू से नोट छापने का खेल चलता है। प्रशासन के लाख कार्रवाई के बाद भी खूनी खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है।

अग्निवीर भर्ती में फर्जीवाड़ाः आर्मी इंटेलिजेंस व पुलिस ने चार दबोचे, बागपत का सिकंदर है मास्टमाइंड

मुजफ्फरनगर। आर्मी इंटेलिजेंस व मुजफ्फरनगर सिविल लाइन थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में अग्निवीर सेना भर्ती में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर युवकों को भर्ती कराने की कोशिश करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। अधिवक्ता समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर फर्जी कागजात व मोबाइल समेत 2,35000 रुपये बरामद किए हैं।

एसपी सिटी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि आरोपियों को नगर के कंपनी बाग के पास बने ट्यूबवैल की पीछे से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ऐसे युवकों को निशाना बनाते थे, जिनके कागजात पूरे नहीं है या उम्र अधिक हो गई है। आरोपी फर्जी प्रमाण पत्र तैयार करने की एवज में डेढ से दो लाख रुपये लेते थे। पकड़े गए आरोपी बागपत, मुरादाबाद और संभल के रहने वाले हैं। मुख्य आरोपी सिकंदर अधिवक्ता है और वही पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड है। पकड़े गए

आरोपियों के नाम सिकंदर सिंह पुत्र वीर सिंह निवासी ढिकौली, थाना चांदीनगर जनपद बागपत, अनुज चौधरी पुत्र केन्द्र सिंह निवासी ग्राम उदयपुर, थाना सोनकपुर जनपद मुरादाबाद, प्रशान्त चौधरी पुत्र मनवीर सिंह निवासी ग्राम मिठौली, थाना हजरत गढी जनपद संभल, हिमांशु चौधरी पुत्र सतवीर सिंह निवासी ग्राम मिठौली, थाना हजरत गढी जनपद संभल हैं। इनके कब्जे से दो मार्कशीट, दो आधार कार्ड (फर्जी), एक आर्मी भर्ती एप्लीकेशन फार्म, एक मार्कशीट, 01 आधार कार्ड, 01 परिचय पत्र (असली), 100 शीट मार्कशीट प्रिनंट करने वाला पेपर, -एक ओप्पो मोबाईल(घटना में प्रयुक्त), 2,35,000 रुपये नकद बरामद हुए।

गुजरात में हमने अनेकों पोर्ट्स विकसित किएः पीएम

रोजगार के कई नए अवसर बनाए

भावनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भावनगर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक तरफ देश जहां आजादी के 75 वर्ष पूरे कर चुका है, वहीं इस साल भावनगर अपनी स्थापना के 300 वर्ष पूरे करने जा रहा है। 300 वर्षों की अपनी इस यात्रा में भावनगर ने सतत विकास की, सौराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। भावनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस विकास यात्रा को नए आयाम देने के लिए आज यहां करोड़ो रुपए की अनेक परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। ये प्रोजेक्ट भावनगर की पहचान को सशक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि भावनगर समंदर के किनारे बसा है। गुजरात के पास देश की सबसे लंबी कोस्टलाइन है। मगर आजादी के बाद के दशको में तटीय विकास पर उतना ध्यान ना दिए जाने की वजह से ये विशाल कोस्टलाइन एक तरह से लोगों के लिए बड़ी

चुनौती बन गई थी। समंदर के किनारे बसे गांव खाली हो गए, लोग पलायन करने लगे थे। उन्होंने कहा कि बीते 2 दशकों में गुजरात की कोस्टलाइन को भारत की समृद्धि का द्वार बनाने के लिए हमने ईमानदारी से प्रयास किया है। रोजगार के कई नए अवसर खड़े किए। गुजरात में हमने अनेकों पोर्ट्स विकसित किए, बहुत से पोर्ट्स का आधुनिकीकरण कराया। उन्होंने कहा कि आज गुजरात की कोस्ट लाइन, देश के आयात-निर्यात में बहुत बड़ी भूमिका निभाने के साथ ही लाखों लोगों को रोजगार का माध्यम भी बनी है। आज गुजरात की कोस्टलाइन, नवीकरणीय ऊर्जा और हाईड्रोजन इकोसिस्टम का पर्याय बनकर उभर रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव नहीं लड़ेंगे अशोक गहलोत, बोले- सोनिया गांधी से मांग ली माफी

नई दिल्ली। सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद अशोक गहलोत के तेवर एकदम नरम पड़ गए हैं। गुरुवार को करीब दो घंटे तक चली मीटिंग के बाद निकले अशोक गहलोत ने कहा कि मैंने सोनिया जी से राजस्थान की घटना को लेकर माफी मांग ली है। अशोक गहलोत ने कहा, 'कांग्रेस में मुझे बीते 50 सालों से सम्मान मिलता रहा है। हमेशा मुझ पर विश्वास करके जिम्मेदारी दी गई। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी से लेकर आज तक मुझ पर भरोसा रखा गया। कांग्रेस महासचिव से लेकर तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने तक का सफर हाईकमान के आशीर्वाद से ही रहा है।' इसके अलावा उन्होंने कहा कि अब जो हालात बने हैं, उसमें मैं कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव नहीं लड़ूंगा। अशोक गहलोत ने कहा कि रविवार को जो घटना हुई थी, उसने मुझे हिलाकर रख दिया है। इससे यह संदेश गया कि जैसे मुख्यमंत्री बना रहना चाहता हूं। इसे

लेकर मैंने सोनिया गांधी जी से माफी मांगी है। हमारे यहां एक लाइन का प्रस्ताव पारित करने का तो प्रस्ताव रहा ही है। दुर्भाग्य की बात रही कि वह प्रस्ताव पारित नहीं हो पाया। मैं उसे पारित नहीं करा पाया तो सीएम रहने के चलते मैं अपनी गलती मानता हूं। राजस्थान के सीएम ने कहा कि पूरे देश में मुझे लेकर गलत माहौल बनाया गया। अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर अशोक गहलोत ने कहा कि जो हुआ है, उस हालात में मैंने तय किया है कि अब कांग्रेस अध्यक्ष का इलेक्शन नहीं लड़ूंगा। अशोक गहलोत के ही बयान से उनके सीएम बने रहने को लेकर भी संशय पैदा हो गया है। 10 जनपथ के बाहर मीडिया ने जब उनसे सीएम पद को लेकर पूछा तो उन्होंने कहा कि इसका फैसला भी सोनिया गांधी को ही लेना है।

पीएफआई पर केरल हाईकोर्ट हुआ सख्त

बंद के दौरान बसों में तोड़फोड पर पांच करोड़ का हजार्ना वसूला जाएगा

कोच्चि। प्रतिबंधित संगठन पीएफआई पर केरल हाईकोर्ट ने भी आज कड़ा रुख अपनाया। कोर्ट 23 सितंबर को राज्य में रखे गए बंद के दौरान केएसआरटीसी की बसों में की गई तोड़फोड़ के हजार्ने के रूप में संगठन को पांच करोड़ रुपये चुकाने का निर्देश देगी। यह राशि पीएफआई को सरकारी खजाने में जमा कराना होगी। बता दें, पीएफआई नेताओं व कार्यकताओं की देशभर में धरपकड के पहले चरण के विरोध में 23 सितंबर को संगठन ने केरल बंद कराया था। इस दौरान राज्य के अनेक जिलों में सरकारी बसों में भारी तोड़फोड़ की गई थी। इसके हजार्ने के रूप में केसआरटीसी ने संगठन से पांच करोड़ रुपये मांगे हैं। केरल हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि यह आदेश भी दिया जाएगा कि संगठन के पूर्व राज्य महासचिव अब्दुल सत्तार को हड़ताल से संबंधित हिंसा और संपत्ति नष्ट किए जाने के संबंध में राज्य भर में दर्ज सभी आपराधिक मामलों में एक पक्ष बनाया जाए। सुनवाई के दौरान केएसआरटीसी की ओर से पेश वकील दीपू थंकन ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति एके जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति

मोहम्मद नियास सीपी की खंडपीठ ने यह भी कहा कि वह यह निर्देश देगी कि हड़ताल से संबंधित हिंसा के मामलों में किसी भी आरोपी को तब तक जमानत नहीं दी जाए जब तक कि वे कथित रूप से हुए नुकसान की कीमत जमा नहीं कर देते।

बता दें, केरल हाईकोर्ट ने बंद के दिन ही मामले पर स्वतः संज्ञान लिया था। हाईकोर्ट ने बिना इजाजत बंद आयोजित करने पर कड़ा रुख अपनाते हुए पीएफआई को फटकार लगाते हुए केस दायर किया था। केरल राज्य सड़क परिवहन निगम ने अपनी याचिका में दलील दी है कि हड़ताल बिना किसी पूर्व सूचना के आयोजित किया गया। यह हाईकोर्ट के उस आदेश का उल्लंघन है, जिसमें कहा गया था कि हड़ताल के लिए सात दिन पहले नोटिस दिया जाना था। याचिका में कहा गया है कि अग्रिम नोटिस की कमी और पुलिस द्वारा कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन देने के कारण निगम ने कहा कि उसने हमेशा की तरह अपनी सेवाएं जारी रखीं। पीएफआई का बंद हिंसक हो गया और जिसके परिणामस्वरूप विंडस्क्रीन टूट गई और 58 बसों की सीटों को नुकसान पहुंचा। निगम ने अपनी याचिका में आगे दावा किया है कि वह पहले से ही गंभीर वित्तीय संकट में है। ताजा तोड़फोड़ से उसके लिए बसों की मरम्मत कराना मुश्किल होगा। केएसआरटीसी को हुए भारी नुकसान की भरपाई अपराधियों से की जाना चाहिए, क्योंकि यह बंद अवैध था। एनआईए के नेतृत्व में जांच एजेंसियों ने पिछले हफ्ते देश भर में 15 राज्यों में 93 स्थानों पर छापे मारे थे। इस दौरान 100 से अधिक पीएफआई नेताओं को गिरफ्तार किया था।

ब्रह्मपुत्र नदी में नाव डूबी, एक सरकारी अधिकारी समेत 10 लापता

गुवाहाटी। असम की ब्रह्मपुत्र नदी में नाव डूबने की खबर आई है। हादसा धुबरी जिले में हुआ। एक सरकारी अधिकारी समेत 10 लोगों के लापता होने की खबर है। नाव में 20 से अधिक लोग सवार थे। असम के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सीईओ ज्ञानेंद्र देव त्रिपाठी ने हादसे की जानकारी दी। सूचना मिलते ही वरिष्ठ जिला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। हादसे की शिकार नाव स्वदेश में निर्मित यांत्रिक नौका है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और पुलिस के जवान की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार धुबुरी जिले के भासानी नगर स्थित ब्रह्मपुत्र नदी में गुरुवार सुबह यह दुर्घटना हुई। नाव में धुबरी के राजस्व अधिकारी संजु दास सहित 20 से अधिक लोग सवार थे। नाव पटलने की सूचना मिलने पर प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। नाव में सवार करीब 20 लोगों में से 10 लोगों को बाहर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन राजस्व अधिकारी संजु दास सहित 10 लोग लापता हैं। सर्च ऑपरेशन जारी है लेकिन अभी तक किसी का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। धुबरी के उपायुक्त अंबामुथन ने बताया कि हादसे के बाद कुछ लोग तैरकर किनारे आ गए, जबकि लापता लोगों की तलाश युद्धस्तर पर जारी है।

यूपी विधानसभा अध्यक्ष का दावाः छह महीने में बदली धारणा, एक बार भी स्थगित नहीं हुई कार्यवाही

लखनऊ। यूपी के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अपने छह महीने के कार्यकाल की उपलब्धियां बताई। उन्होंने कहा कि इन छह महीनों में विधानसभा को लेकर परसेप्शन बदला है। इस बार एक भी बार विधानसभा की कार्यवाही स्थगित नहीं की गई है। प्रश्नकाल में 20-20 प्रश्न लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही ठीक तरह से चलाने में नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव का भी सहयोग मिला। सभी विधायकों का भी सदन संचालन में सहयोग मिला। इस

दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे काम करने के टिप्स दिए थे। उसके अनुसार काम कर नई परम्परा शुरू की। गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र ने भी हमारा अनुसरण किया है। आगे विधानसभा संचालन नियमावली का सरलीकरण किया जाएगा। महिला सदस्यों के सत्र की बुकलेट प्रकाशित कराई जाएगी। उसे सभी विधानसभा और लोकसभा में भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि डॉक्टर, महिला, पहली बार निर्वाचित सदस्य, प्रोफेशनल और वरिष्ठ विधायकों का ग्रुप बनाकर उनसे बात की। जो कि नई परंपरा थी। 170 सदस्यों से बात कर चुका हूँ। वकील, शिक्षक व विधायकों का ग्रुप भी बनाएंगे। उन्होंने बताया कि हमने विधानसभा लॉबी में विधायकों के सोने की व्यवस्था समाप्त की है। लॉबी में कॉफी मशीन लगाई गई हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 10 खरब डॉलर की बनाने के लिए काम कर रहे हैं। विधायकों का ग्रुप बनाकर उद्योगपतियों के पास भेजेंगे। विधायक उन्हें निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे।

भारत की मिसाइलों और रॉकेटों से सुरक्षित होंगे दूसरे देश

नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के लिए भारत तेजी से कदम बढ़ा रहा है। ना केवल अपने लिए बल्कि दूसरे देशों को भी रक्षा सामग्री निर्यात करने के लिए हथियारों का उत्पादन बढ़ाया जा रहा है। इस बीच भारत और आर्मीनिया के बीच बड़ी डील हुई है। आर्मेनिया अपने पड़ोसी अजरबैजान से लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद से जूझ रहा है। ऐसे में वह अपनी सेना को मजबूत करने के लिए भारत का सहारा ले रहा है। भारत बड़ी मात्रा में हथियार और रक्षा उपकरण आर्मेनिया को सप्लाई करेगा। जानकारी के मुताबिक यह काफी बड़ी डील है। डील लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की हो सकती है। बता दें कि भारत ने अपनी नीतियों में सुधार किया है और हथियारों के

निर्यात बढ़ाने पर अहम फैसला किया है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक भारत आर्मीनिया को पिनाक मल्टी बैरेल रॉकेट लॉन्चर भी देगा जो कि भारत की सेना पहले से ही इस्तेमाल कर रही है। ज्यादातर हथियार ऐसे हैं जिनकी डिजाइन डीआरडीओ ने बनाी है और अब प्राइवेट सेक्टर की कंपनियां इनका उत्पादन कर रही हैं। भारतीय सेना ने हाल ही में 6 अतिरिक्त पिनाक रेजिमेंट का ऑर्डर दिया है। वहीं इसकी रेंज बढ़ाने पर भी काम चल रहा है। डील के मुताबिक भारत आर्मीनिया को एंटी टैंक रॉकेट भी सप्लाई करेगा। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं है कि भारत आर्मीनया को रक्षा उपकरण सप्लाई कर रहा है। साल 2020 में भारत ने चार स्वाति रडार आर्मीनिया को दिए थे जिनकी कीमत 350 करोड़ रुपये थी। भारतीय सेना के द्वारा डिजाइन किए गए ये रडार रॉकेट, मिसाइल, मोर्टार को ट्रैक करने में सक्षम थे। इन रडार को भारत ने भी पाकिस्तान और चीन की सीमा पर तैनात कर रखा है। बता दें कि भारत ने 2025 तक 35 हजार करोड़ रुपये की रक्षा सामग्री को निर्यात करने का लक्ष्य रखा है। पिछले साल लगभग 13 हजार करोड़ रुपये का निर्यात किया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कचरे की कसक

उल्लेखनीय है कि इससे पहले महाराष्ट्र पर बारह हजार करोड़ रुपये तथा पश्चिम बंगाल पर साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये तथा राजस्थान पर तीन हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है। ठोस व तरल अपशिष्ट उपचार में विफलता के बाद इस राशि को पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में भुगतान का आदेश दिया गया था।

एनजीटी के जुर्माने से सुधार की उम्मीदें

विभिन्न राज्यों में कचरा निस्तारण में कोताही किसी से छिपी नहीं है। इससे कई तरह के स्वास्थ्य संकट भी पैदा होते हैं। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2016 और अन्य पर्यावरणीय मानदंडों के अनुपालन की लगातार निगरानी करता रहा है। एनजीटी की इस निगरानी के दौरान कचरा प्रदूषण निस्तारण के मापदंडों में गंभीर खामियां सामने आई हैं। मानकों के अनुरूप कचरे के निस्तारण में राज्यों की विफलता के बाद एनजीटी ने कई राज्यों पर भारी भरकम जुर्माना लगाया है। इस चूक के चलते अब पंजाब पर 2,180 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले महाराष्ट्र पर बारह हजार करोड़ रुपये तथा पश्चिम बंगाल पर साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये तथा राजस्थान पर तीन हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है। ठोस व तरल अपशिष्ट उपचार में विफलता के बाद इस राशि को पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में भुगतान का आदेश दिया गया था। निस्संदेह, यदि देश के अन्य राज्यों की कारगुजारियों का भी मूल्यांकन किया जायेगा, तो कमोबेश उनकी स्थिति भी शायद ही बहुत बेहतर हो। दरअसल, इस जुर्माने का मकसद राज्य सरकारों से यह अपेक्षा करना होता है कि वे यह राशि अलग-अलग खातों में जमा करें। ताकि इस धन का उपयोग गलतियों को सुधारने के उपायों के लिये किया जा सके। हकीकत यह है कि विभिन्न सरकारें और स्थानीय निकाय कचरा निस्तारण को लेकर चलताऊ रवैया अपनाते रहते हैं। खासकर स्थानीय निकायों की काहिली इस समस्या को और जटिल बना रही है। पूरे देश को इंदौर के सामूहिक प्रयासों को एक प्रेरक उदाहरण के रूप में देखना चाहिए, जिसके चलते यह शहर सफाई व कचरा निस्तारण के लिये सारे देश में लगातार अव्वल आ रहा है। इस लक्ष्य के लिये जहां तंत्र की दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है, वहीं जनभागीदारी भी इसमें निर्णायक भूमिका निभाती है। दरअसल, राज्यों की ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन में लगातार लापरवाही के बाद ही एनजीटी यह आर्थिक दंड लगाने को बाध्य हुआ है। एनजीटी ने कचरा निस्तारण के बाबत आदेश जारी करने के बाद भी निस्तारण की तैयारी के लिये समय में पर्याप्त राहत दी थी। मसलन, इस बाबत आदेश जारी करने के बाद ठोस कचरे के निस्तारण हेतु आठ वर्ष व तरल कचरा निस्तारण के लिये पांच वर्ष की छूट भी दी थी। लेकिन इसके बावजूद राज्य सरकारों का तंत्र गंभीर नजर नहीं आया। कानूनी बाध्यताओं व निर्धारित समय सीमा खत्म होने पर भी वे नहीं चेते। दरअसल, उच्चतम न्यायालय के आदेशों, एनजीटी तथा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के निर्देशों का निर्धारित समय में अनुपालन न होने के बाद प्रदूषण के बदले भुगतान का सिद्धांत अपनाया गया जो एक जनवरी 2021 से लागू किया गया। यह सिद्धांत पर्यावरण को होने वाले नुकसान और लापरवाही बरतने वाले राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों पर नुकसान के उपचार की लागत के रूप में भुगतान के दायित्व के लिये बाध्य करता है। जिसका मकसद होता है कि न केवल पिछले नुकसान की क्षतिपूर्ति हो सके बल्कि भविष्य के लिये स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। निस्संदेह, यह एक जरूरी कदम है क्योंकि कचरे से होने वाले प्रदूषण से तमाम बीमारियां फैलती हैं। जिसका सीधा असर नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ता है।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

पत्रकार (कवि से), 'आपको कवि सम्मेलन में भाग लेने से क्या कुछ मिलता हैं?'

कवि (दुखी स्वर में) 'टमाटर, अंडे वगैरा।'

□ □ □

न्यायधीश (अपराधी को सजा सुनाते हुए) 'अच्छा बताओ की तुमने समाज का क्या भला किया ?'

अपराधी, 'श्री मान जी हम लोगों के कारण ही पुलिस विभाग में हजारों आदमियों को नौकरी मिली हुई हैं।'

□ □ □

दो सहेलियां बरसों बाद मिलीं।

पहली उसे अपने घर ले गई। ड्राइंग रूम में भूसा भरे शेर को देख कर सहेली ने पूछा – 'बड़ा सुंदर शेर है, कहां से लिया?' वह बोली –'एक बार मैं पति के साथ शिकार पर गई थी। इतने में सामने से शेर आ गया। पति ने आगे बढ़ कर गोली चलाई लेकिन निशाना चूक गया। शेर कुछ देर बाद लौटा तो मैंने उसे गोली मार दी।' लेकिन इस शेर के अंदर क्या है?' मेरे पति !'

□ □ □

बेटा- पापा, पांच और पांच कितने होते हैं?

पापा- अरे यार कम अक्ल हो क्या? जाओ जल्दी से कैलकुलेटर लेकर आओ।

सेमीकंडक्टर स्पर्धा में जगी भारतीय उम्मीदें

लेखिका - दिनेश सी. शर्मा

यूरोपियन यूनियन भी चिप उत्पादन को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। उधर दक्षिण कोरिया ने 540 बिलियन डॉलर सब्सिडी योजना से दुनिया में सेमीकंडक्टर निर्माण का मुख्य केंद्र बनाने की शुरुआत की है। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में सरकार चिप एवं डिस्पले निर्माण इकाइयों को 10 बिलियन डॉलर (76000 करोड़ रुपये) सब्सिडी देगी। निजी कंपनियों को उत्पादन इकाई स्थापित करने में आए खर्च का 50 फीसदी तक अनुदान मिल सकता है। भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण की यात्रा वर्ष 1974 में पंजाब से शुरू हुई थी, जब इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने महसूस किया कि देश के अंदर सेमीकंडक्टर डिज़ाइन और निर्माण होना चाहिए, पहले-पहल विदेशी मदद से सही।

वेदांता ग्रुप ने घोषणा की है कि वह भारत में सेमीकंडक्टर, डिस्पले उत्पादन इकाई और सेमीकंडक्टर असेम्बलिंग-कम-टेस्टिंग सुविधा गुजरात के अहमदाबाद जिले में स्थापित करेगा। इस घोषणा ने दो वजहों से ध्यान खींचा है ङ्क निवेश की मात्रा (1.54 लाख करोड़ रुपये) और नई इकाई लगाने के लिए गुजरात का चुनाव, जबकि पहले महाराष्ट्र में लगाने के संकेत थे। तथापि, अधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि वेदांता ने ताईवान के हॉन हाइ टेक्नोलॉजी ग्रुप (फॉक्सकॉन) को बतौर साझीदार जोड़ा है। फ्लिहाल ताईवान दुनियाभर में सेमीकंडक्टर उत्पादन का धुरा है और कोविड महामारी से चिप्स आपूर्ति व्यवधान ने वैश्विक स्तर पर अनेकानेक उद्योगों का उत्पादन ठप कर दिया था। इस आपूर्ति शृंखला भंग और विभिन्न क्षेत्रों पर इसके असर ने दुनिया को सेमीकंडक्टर आपूर्ति में केवल एक-दो स्रोतों पर अत्यधिक निर्भरता की हकीकत से जगा डालाङ्क चाहे यह कार हो या वॉशिंग मशीन में प्रयुक्त सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट। इसलिए मुख्य उपभोक्ता वस्तु निर्माताओं ने ताईवानी इकाइयों पर अत्यधिक निर्भरता कम करने का मन बनाया। मौजूदा चिप डिज़ाइनिंग के डिसएग्रिगेटेड मॉडल और फैब्रिकेशन पर पुनर्विचार किया जा रहा है। जुलाई माह में, अमेरिका सरकार ने 'चिप्स' (क्रिएटिंग हेल्पफुल इन्सेंटिव टू प्रोड्यूस सेमीकंडक्टर्स) एक्ट से अमेरिकी कंपनियों को 52 बिलियन डॉलर की सब्सिडी देकर सेमीकंडक्टर निर्माण, अनुसंधान एवं विकास प्रोत्साहन पैकेज घोषित किया है। यूरोपियन यूनियन भी चिप उत्पादन को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। उधर दक्षिण कोरिया ने 540 बिलियन डॉलर सब्सिडी योजना से दुनिया में सेमीकंडक्टर निर्माण का मुख्य केंद्र बनाने की शुरुआत की है। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में सरकार चिप एवं डिस्पले निर्माण इकाइयों को 10 बिलियन डॉलर (76000 करोड़ रुपये) सब्सिडी देगी। निजी कंपनियों को उत्पादन इकाई स्थापित करने में आए खर्च का 50 फीसदी तक अनुदान मिल सकता है। भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण की यात्रा वर्ष 1974 में पंजाब से शुरू हुई थी, जब इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने महसूस किया कि देश के अंदर सेमीकंडक्टर डिज़ाइन और निर्माण होना चाहिए, पहले-पहल विदेशी मदद से सही। केंद्रीय मंत्रिमंडल के अनुमोदन के बाद सेमीकंडक्टर कॉम्पलैक्स लिमिटेड (एससीएल) बनाना स्वीकृत हुआ। 1976 में विशेषज्ञ पैनल ने दो संभावित जगहें सुझाई ङ्क मोहाली और मद्रास। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की तरजीह हवाई अड्डे की सुविधा वाले मद्रास पर थी। किंतु पंजाब के मुख्यमंत्री जैल सिंह को भनक लगी और उन्होंने प्रधानमंत्री पर जोर डालकर निर्णय मोहाली के पक्ष में करवा लिया। हालांकि इंदिरा गांधी ने इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के अधिकारी अशोक पार्थसारथी को मुख्यमंत्री जैल सिंह को यह समझाने का काम सौंपा कि इस इकाई से पंजाब के स्थानीय लोगों को शायद ही रोजगार मिले क्योंकि इसमें बहुत अधिक प्रवीणता की जरूरत होती है। लेकिन जैल सिंह अड़े रहे और मोहाली को देश की पहली सेमीकंडक्टर निर्माण इकाई मिली। इस परियोजना पर 15 करोड़ रुपये लगे थे और 1983 में उत्पादन शुरू हुआ, अमेरिका की माइक्रोसिस्टम्स इन्कॉर्पोरेशन से प्राप्त तकनीक से चिप्स बनने लगीं। लगभग उसी समय, एससीएल की तरह, किंतु स्वतंत्र सेमीकंडक्टर डिज़ाइन गतिविधियां भारत में शुरू हुई। इसकी अगुवाई आईआईटी कानपुर से पढ़े प्रभाकर गोयल ने की थी, जिन्होंने अमेरिका में बतौर चिप डिज़ाइनर अच्छा-खासा नाम कमाया था। उनके स्टार्टअप गेटवे डिज़ाइन ऑटोमेशन (जीडीए) की विशेषज्ञता चिप्स उत्पादन में प्रयुक्त टेस्टिंग टूल वेरीलॉग बनाने में थी। इसने करोड़ों डॉलर्स की आमदनी करवाई और गोयल के ग्राहकों में जापान और ताईवान के उच्चतम चिप निर्माण उद्योग थे। चूंकि वेरीलॉग बनाने में कुछ कामों जैसे कि लाइब्रेरीज़ में बहुत श्रम खपता था, इसलिए उन्होंने इकाई भारत में स्थानांतरित करने की सोची और इंजीनियरों की एक छोटी टीम बनाकर 1985 में नोएडा में उत्पादन शुरू किया। चार साल बाद सिलिकॉन वैली, अमेरिका की कंपनी काडेन्स डिज़ाइन सिस्टम्स ने जीडीए का अधिग्रहण कर लिया, इसमें नोएडा वाली इकाई भी थी। इस तरह भारत में काडेन्स के रूप में अग्रणी कंपनी का आगमन हुआ। इसके बाद दो और सेमीकंडक्टर डिज़ाइन कंपनियोंङ्क टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स और एसटी माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स ने 1980 के दशक के आखिर में भारत में अपने दफ्तर खोले। आगे लगभग एक दशक में इंटेल समेत उच्चतम कोटि की 25 चिप्स डिज़ाइन कंपनियों में 17 ने भारत में केंद्र खोले और देश चिप्स डिज़ाइनिंग क्षेत्र में एक बड़ी शक्ति बन गया। बढ़ती मांग पूरी करने हेतु अमेरिकी और यूरोपियन सेमीकंडक्टर कंपनियों ने भारतीयों की डिज़ाइन प्रतिभा और ताईवान में व्यापक स्तर की उत्पादन क्षमता का फायदा लेकर चिप्स निर्माण किया। लेकिन दूसरी ओर, भारत चिप्स उत्पादन में पिछड़ता गया क्योंकि एससीएल में उत्पादन तकनीक को अपग्रेड करने की प्रक्रिया के दौरान भयंकर आग लग गई। नए सिरे से सबकुछ बनाने में लंबा वक्त लगा और कंपनी पूरी तरह उबर नहीं पाई। हालांकि भारत पर लगे तकनीक-हस्तांतरण प्रतिबंध वाले काल के दौरान सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं जैसे कि अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र में प्रयुक्त सेमीकंडक्टरों की आपूर्ति करती रही। अब भारत ने एससीएल को व्यावसायिक इकाई की तरह से चलाने का फैसला लिया है। किंतु इसके लिए धन, तकनीक और नेतृत्व प्रदान करने की जरूरत है।शुरुआत काफी पहले करने के बावजूद भारत सेमीकंडक्टर लहर का पूरी तरह फायदा उठाने से चूक गया ङ्क गैरवाजिब निवेश, कमजोर स्वदेशी मांग, वैश्विक धंधे की बदलती गतिशीलता इत्यादि से हम पिछड़ते गए। इस क्षेत्र में तकनीक बहुत तेजी से बदलती है और इससे कदम मिलाना एक सामरिक जरूरत है। वेदांता की प्रस्तावित इकाई 28 नैनो नॉड्स तकनीक पर आधारित होगी। इससे सीपीयू, ग्राफिक्स प्रोसेसर्स, नेटवर्क चिप्स, स्मार्टफोन्स, कार और इंटरनेट में प्रयुक्त होने वाली चिप्स बनाई जा सकेंगी। हालांकि ताईवान और दक्षिण कोरियाई कंपनियां पहले ही कहीं ज्यादा सूक्ष्म नॉड्स यानि 3 नैनोमीटर पर काम कर रही हैं। एससीएल ने काम 5 माइक्रॉन्स (5000 नैनोमीटर) से शुरू किया था और स्वदेशी संवर्धन तकनीक से 1.2 माइक्रॉन (1200 नैनोमीटर) करने की प्रक्रिया चली हुई थी, जब आग लगी। उस समय विश्व की अग्रणी चिप्स निर्माण इकाई केवल एक पीढ़ी आगे यानी 0.8 माइक्रॉन (800 नैनोमीटर) पर काम कर रही थी। अगले एक दशक से कम समय में एससीएल ने विदेशी तकनीक अपनाई और तकनीक-अंतर कम होता गया क्योंकि आरंभ से ही इसका अपना अनुसंधान एवं विकास विभाग बहुत सुदृढ़ था। इस विधा में किसी इकाई का खुद की तकनीकी क्षमता के बिना बाजार की दौड़ के मुताबिक चाल बनाए रखना संभव नहीं है। इसके लिए बहुत बड़े स्तर पर अनुसंधान एवं विकास पर निवेश की आवश्यकता होती है। फ्लिहाल वेदांता का प्रस्तावित संयुक्त उपक्रम अनुसंधान एवं विकास को लेकर खामोश है। अभी यह ज्ञान नहीं है कि क्या इसमें किसी तरह का तकनीक-हस्तांतरण है या नहीं। उम्मीद करें कि भारत दूसरी बार मौका नहीं चूकेगा।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के विशेषज्ञ हैं।

भारत जोड़ो यात्रा के बीच बिखराव की ओर कांग्रेस

(लेखक-सुरेश हिन्दुस्थानी)

राजस्थान में मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर छिड़ी आपसी लड़ाई के बीच राज्य में कांग्रेस के भविष्य के सामने एक बड़ा प्रश्नचिन्ह उपस्थित हो गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समर्थक विधायकों ने नेतृत्व पर राजनीतिक दबाव बनाने का जो खेल खेला है, उसका राजनीतिक दृष्टिकोण से अध्ययन किया जाए तो यही प्रमाणित करता है कि यह अनुशासनहीनता की पराकाष्ठा है। इससे यह भी संदेश जा रहा है कि सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाने को लेकर जिस प्रकार से गहलोत समर्थक विधायकों ने अपने त्याग पत्र दिए हैं, उससे प्रथम दृष्टया यही लगता है कि ये विधायक कांग्रेस के कम गहलोत के ज्यादा हैं। विधायकों का यह नाटक निश्चित ही गहलोत के संकेत पर ही चल रहा होगा। इसके अलावा केन्द्र की ओर से भेजे गए दो पर्यवेक्षक भी राजस्थान में उत्पन्न हुए राजनीतिक संकट को दूर करने में असमर्थ ही रहे। हालांकि पार्टी अनुशासन को ध्यान में रखते हुए यही कहा जा सकता है कि किसी भी स्थिति में गहलोत समर्थक विधायकों को त्याग पत्र नहीं देना चाहिए था। जब संभावित राष्ट्रीय अध्यक्ष के समर्थक ही विवाद की स्थिति बनाने का प्रयास कर रहे हों, तब अन्य से क्या अपेक्षा की जा सकती है। इस विवाद की जड़ यही है कि गहलोत अपना मुख्यमंत्री बनाना चाह रहे हैं, कांग्रेस का नहीं। अगर कांग्रेस के हाथ में सत्ता रखना है तो फिर सचिन पायलट तो जन्मजात कांग्रेसी हैं। उनको सत्ता की बागडोर देने में कोई आपत्ति नहीं होना चाहिए। भारत में कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी के नेतृत्व में एक तरफ भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है, तो वहीं दूसरी तरफ राजस्थान में कांग्रेस में बिखराव की ओर कदम बढ़ाती दिख रही है। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि राजस्थान की लड़ाई के मुख्य सूत्रधार के रूप में जो नेता सामने आए हैं, उसी को कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी देने की कवायद की जा रही है। अशोक गहलोत समर्थक विधायकों का यह कदम कांग्रेस पार्टी में एक और बिखराव की घटना को जन्मित कर सकता है। सिद्धांत की बात यह है कि राजस्थान में अशोक गहलोत के बाद कांग्रेस के सबसे प्रभावी नेता सचिन पायलट ही हैं, इसके आधार पर लोकतांत्रिक तरीका यही कहता है कि पायलट को मुख्यमंत्री की कुर्सी मिलना चाहिए, लेकिन ऐसा लगता है कि अशोक गहलोत का पूरा सोच लोकतांत्रिक न होकर पूर्वाग्रह से ग्रसित है। उन्होंने तो यहां तक कह दिया है कि मैं किसी गद्दार के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं छोड़ सकता। इतना ही नहीं इससे पूर्व अशोक गहलोत मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ना ही नहीं चाह रहे थे, लेकिन जब राहुल गांधी ने एक पद, एक व्यक्ति के सिद्धांत को प्रतिपादित किया, तब अशोक गहलोत ने इस सिद्धांत को स्वीकार तो कर लिया, लेकिन उनकी नजर मुख्यमंत्री के पद से अलग नहीं हो पा रही है। वे अपने किसी समर्थक को ही मुख्यमंत्री बनाना चाह रहे हैं। हालांकि स्वतंत्र भारत में कांग्रेस के अंदर चौथी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होने जा रहा है, लेकिन जिस प्रकार के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वह चुनाव के लिए अनुकूल वातावरण बनाने का काम करेंगे, इसमें संशय है। अभी से यह कहा जाने लगा है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जिसे चाहेंगे, वही कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा। इस दृष्टि से राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव महज एक दिखावा ही कहा जाएगा, क्योंकि गांधी परिवार की दृष्टि में अध्यक्ष तय हो चुका है। यहां सवाल यह भी पैदा होता है कि जब अशोक गहलोत कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन जाएंगे, तब क्या सचिन पायलट को कांग्रेस नेता के रूप में स्वीकार कर पाएंगे। अब राजस्थान में कांग्रेस के अंदर संभावित स्थिति यह बनती दिखाई दे रही है कि या तो सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनेंगे या फिर वे कांग्रेस को अलविदा कर सकते हैं। दोनों ही स्थितियां अशोक गहलोत की राह में अवरोधक की स्थिति पैदा कर सकती हैं, क्योंकि ऐसी स्थिति में राजस्थान का रण जीतना कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती बनेगी। ऐसे में प्रश्न यह भी आता है कि जो कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा निकाल रही है, क्या उसे अब कांग्रेस जोडने के लिए प्रयास नहीं करने चाहिए। क्योंकि जब कांग्रेस में ही एकता नहीं है तो फिर इस प्रकार की यात्राएं निकालने का कोई अर्थ भी नहीं है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने वर्तमान कार्यकाल में सचिन पायलट को हमेशा किनारे करने का प्रयास ही किया है, वे अब भी पायलट की राह में रोड़ा बन रहे हैं। वे अब भी वैसा ही कर रहे हैं। उन्होंने अपनी भूमिका लेकर संशय भी उपस्थित कर दिया है कि वह अपनी राजनीति किस प्रकार से करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की संभावनाओं के चलते अब अशोक गहलोत को अपनी सोच को विस्तार देने का प्रयास करना चाहिए। अब उन्हें झगड़ा बढ़ाने की नहीं, बल्कि झगड़ा सुलझाने की राजनीति करने की ओर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। नहीं तो वे वैचारिक रूप से राजस्थान तक ही सीमित रह जाएंगे और फिर कांग्रेस के अंदर अनियंत्रण की स्थिति पैदा हो सकती है, जिसके कारण शेष राज्यों के नेता भी ऐसी ही राजनीति करने की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। जिससे यह संभावना भी बन सकती है कि कांग्रेस एक बड़े बिखराव की ओर कदम बढ़ाएगी। जिसे संभालना कांग्रेस नेताओं के लिए टेड़ी खीर ही साबित होगी।

अब राजस्थान में क्या होगा, यह तो निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता, लेकिन सत्ता के नेतृत्व को लेकर जो तलवारें खिंची हैं, वह आसानी से म्यान में नहीं जा सकतीं। इसके कारण जो भी राजनीतिक क्षति होगी, उसकी भरपाई करना कांग्रेस के लिए आसान नहीं होगा।

चिंतन-मनन

दिव्यता की विविधता

ईश्वर ने दुनिया की छोटी-छोटी खुशियां तो तुम्हें दे दी हैं, लेकिन सच्चा आनन्द अपने पास रख लिया है। उस परम आनन्द को पाने के लिए तुम्हें उनके ही पास जाना होगा। ईश्वर को पाने की चेष्टा में निष्कपट रहो। एक बार परम आनन्द मिल जाने पर सब-कुछ आनन्दमय है। परमानन्द के बिना संसार की खुशियां अस्थाई हैं। तुमने ईश्वर को सदैव पिता के रूप में देखा है परंतु क्या तुम ईश्वर को एक शिशु के रूप में देख सकते हो? जब तुम ईश्वर को शिशु के रूप में देखते हो तो तुम्हारी कोई मांग नहीं होती। ईश्वर तो तुम्हारे अस्तित्व का अन्तःकरण है। ईश्वर तुम्हारा शिशु है। वे तुमसे बच्चे की तरह चिपककर रहते हैं जब तक तुम वृद्ध होकर मर नहीं जाते। संसार में उनके पोषण के लिए उन्हें तुम्हारी आवश्यकता है। साधना, सत्संग और सेवा ईश्वर के पोषक आहार हैं। ईश्वर अनेक क्यों नहीं हो सकते? यदि ईश्वर ने मनुष्य को अपनी ही छवि के अनुसार बनाया है, तो उनकी छवि क्या है? अफ्रीकी, मंगोलियन, कॉकेसियन, जापानी या फिलिपिनो? मनुष्य इतने प्रकार के क्यों हैं, वृक्ष सिर्फ एक प्रकार का नहीं होता। सांप, बादल, मच्छर या सब्जी सिर्फ एक प्रकार के नहीं। तो फिर केवल ईश्वर को ही एक क्यों होना चाहिए?

जिस चेतना ने इस सम्पूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो विविधता प्रेमी है, वह नीरस कैसे हो सकती है? ईश्वर को विविधता पसंद है, तो वे भी अवश्य ही वैविध्यपूर्ण होंगे। ईश्वर अनेक नाम, रूप और प्रकार से अभिव्यक्त होते हैं। कुछ विचार-धारा के व्यक्ति ईश्वर को उनके विभिन्न रूपों में प्रकट होने की स्वतंत्रता नहीं देते। वे उन्हें एक ही रूप में चाहते हैं। अवसर के अनुसार जब तुम अपना रूप बदलते हो तो फिर कैसे सोच सकते हो कि चेतना में कोई विविधता न हो? हमारे पूर्वज इस बात को समझते थे इसीलिए, उन्होंने दिव्यता के अनन्त गुणों व रूपों का ज्ञान कराया। चेतना नीरस और उबाऊ नहीं है। जो चेतना इस सृष्टि का आधार है, वह गतिमान और परिवर्तनशील है। ईश्वर एक ही नहीं, अनेक हैं। जब तुम दिव्यता की विविधता को स्वीकार करते हो, तब कट्टर और रूढ़िवादी नहीं रह जाते।

मिर्ची की फसल वायरस से बर्बाद, कृषि विभाग ने नहीं कराया शोध

भोपाल । बड़वानी जिले में 30,000 हेक्टेयर में लगी मिर्च की फसल बर्बाद हो गई हैम किसान फसल को उखाड़ कर फेंक रहे हैं। पिछले कई वर्षों से मिर्ची की फसल में एक वायरस फैलता है, जो बड़ी तेजी के साथ फसल को बर्बाद करता है। पिछले कई वर्षों से किसान इस संबंध में कृषि विभाग को अवगत कराते रहे हैं। इसके बाद भी सरकार और कृषि विभाग ने कोई कार्यवाही नहीं की। जिससे किसानों में भारी रोष देखने को मिल रहा है। किसानों के अनुसार पिछले 10 वर्षों से मिर्ची की फसल में यह रोग फैल रहा है। 2014 में नई दिल्ली से एक टीम आई थी। जिसने वायरस की जांच की थी। टीम ने इसका मुख्य कारण सफेद मक्खी को वायरस फैलाने का कारण माना था। निमाड़ में हर साल वायरस अटैक से हजारों एकड़ की मिर्ची की फसल बर्बाद हो रही है। लेकिन किसानों को वायरस से बचने की जानकारी नहीं देने तथा बचाव के उपाय नहीं बताने से मिर्ची की फसल बर्बाद होती है। इसका रकबा हर साल कम होता जा रहा है। किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। मध्य प्रदेश सरकार को किसानों की इस समस्या का निदान निकालने के लिए विश्वविद्यालय में शोध और इस वायरस से बचाव के उपाय किसानों को समय रहते बताना चाहिए।

सरकार ने कारों में छह एयरबैग को अनिवार्य करने का प्रस्ताव एक साल के लिए टाला

नयी दिल्ली, केंद्र सरकार ने कारों में छह एयरबैग को अनिवार्य करने के प्रस्ताव को एक साल के लिए टालकर एक अक्टूबर, 2023 कर दिया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इससे पहले, यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर आठ सीट वाले वाहनों में सरकार ने छह एयरबैग लगाना अनिवार्य किया था। यह आदेश एक अक्टूबर, 2022 से प्रभावी होना था। गडकरी ने ट्वीट किया, ''वाहन उद्योग को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, इसे देखते हुए और व्यापक आर्थिक परिदृश्य पर इसके असर के मद्देनजर यात्री कारों में न्यूनतम छह एयरबैग अनिवार्य करने के प्रस्ताव को एक अक्टूबर, 2023 से लागू करने का निर्णय लिया गया है।''

तेलंगाना में 300 करोड़ रुपये के निवेश से दूसरी इकाई स्थापित करेगी श्नाइडर इलेक्ट्रिक

हैदराबाद, ऊर्जा प्रबंधन और स्वचालन सेवा प्रदाता कंपनी श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 300 करोड़ रुपये के निवेश से तेलंगाना में अपनी दूसरी इकाई स्थापित करेगी। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) अनिल चौधरी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह कारखाना हैदराबाद में जीएमआर औद्योगिक पार्क में 18 एकड़ भूमि पर स्थापित किया जाएगा। चौधरी ने कहा, 'यह नई अत्याधुनिक इकाई हैदराबाद को देश में एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम इस परियोजना में 300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेंगे। इससे राज्य में अतिरिक्त 1,000 नौकरियों का सृजन होगा।' चौधरी ने कारखाने के शिलान्यास समारोह में यह बात कही। समारोह में तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), नगरीय प्रशासन एवं शहरी विकास मंत्री के टी रामा राव मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना विनिर्माताओं का केंद्र बनता जा रहा है। राव ने आगे कहा, 'हमारा मानना है कि यह संयंत्र उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के अलावा राजस्व सृजन के अवसरों को बढ़ाएगा और रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देगा।' उन्होंने कहा कि श्नाइडर इलेक्ट्रिक की नई इकाई भारत में कंपनी की सबसे बड़ी फैक्ट्री होगी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई । (एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट वित्तीय और सूचना प्रौद्योगिकी शेयरों में बिकवाली और विदेशी निवेशकों की निकासी के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजारों से हासिल मिले-जुले संकेतों से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 188.32 अंक करीब 0.33 फीसदी नीचे आकर 56,409.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 40.50 अंक तकरीबन 0.24 फीसदी नीचे आकर 16,818.10 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

निफ्टी के 27 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 23 में गिरावट रही। सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में श्रीसीमेंट 3.50 फीसदी, ओएनजीसी 3.47फीसदी, हिंडाल्को 3.26फीसदी, आईटीसी 2.89फीसदी और अपोलो हॉस्पिटल 2.79फीसदी रहे। वहीं एशियन पेंट्स के शेयर 4.72फीसदी, हीरोमोटो कॉर्प 1.95फीसदी, टेक महिंद्रा 1.91फीसदी, बजाज ऑटो 1.65फीसदी और टाइटन 1.51 फीसदी नुकसान में रहे। बाजार में जारी इस गिरावट के बीच ही निवेशकों ने उपभोक्ता वस्तुओं (एफएमसीजी) और दवा (फॉर्मा) जैसे के क्षेत्र में निवेश किया। इन दोनों में ही भारी खरीदारी रही। उपभोक्ता क्षेत्र में आईटीसी, डाबर इंडिया, गोदरेज कंज्यूमर के शेयरों में उछाल आया। वहीं दव कंपनियों की बात करें तो डॉ रेड्डी, जाइडस लाइफ, सिप्ला और सन फॉर्मा के शेयरों में खरीदारी रही।

सेंसेक्स के तीस शेयरों में से एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, विप्रो और बजाज फिनसर्व के शेयरों को नुकसान हुआ। वहीं दूसरी ओर आईटीसी, डॉ. रेड्डीज, टाटा स्टील, सन फार्मा और नेस्ले के शेयरों को लाभ हुआ। वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान के निक्की लाभ में रहे जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आये।

इंडस टावर्स ने वोडाफोन आइडिया से बकाया चुकाने को कहा!

नई दिल्ली । मोबाइल टावर सेवाप्रदाता इंडस टावर्स ने कर्ज संकट का सामना कर रही वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) को नवंबर के बाद कारोबार जारी रखने के लिए बकाया रो शि चुकाने और हर महीने समय पर भुगतान करने के लिए कहा है। सूत्रों ने बताया कि वोडाफोन आइडिया के बढ़ते बकाया पर स्वतंत्र निदेशकों द्वारा चिंता व्यक्त करने के बाद कंपनी ने दूरसंचार संचालक से यह कहा है। इंडस टावर्स ने वीआईएल को जल्द से जल्द पिछले बकाया चुकाने को कहा है। कंपनी ने वीआईएल को चालू महीने के बकाया के 80 प्रतिशत का भुगतान करने और अगले महीने से पूरा भुगतान समय पर करने को कहा है। उन्होंने कहा कि भुगतान न करने पर नवंबर के बाद इंडस टावर्स वोडाफोन आइडिया को सेवाएं देना बंद कर देंगे। एक अन्य सूत्र ने कहा कि अमेरिकन टावर कॉरपोरेशन (एटीसी) भी अपने बकाये को सुरक्षित करने के लिए इसी तरह के कदमों पर विचार कर रही है। कंपनी के भारत में 75,000 मोबाइल टावर हैं। हालों कि वोडाफोन आइडिया, इंडस टावर्स और एटीसी को भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं मिला है।

विदेशी मुद्रा से रुपया नहीं संभालेगा रिजर्व बैंक

- डॉलर के मुकाबले रुपया में भारी गिरावट के संकेत

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक के अधिकारियों और वित्त मंत्रालय के अधिकारियों की एक बैठक हुई है। उस बैठक में यह निर्णय लिया गया है। डॉलर के मुकाबले यदि रुपया गिरता है, तो उसे गिरने दिया जाए। रुपए की कीमत को स्थिर करने के लिए रिजर्व बैंक अभी तक जो विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल कर, रुपया को गिरने से रोक रहा था। अब रिजर्व बैंक को रोक दिया गया है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार कमजोर हो रहा है। रिजर्व बैंक ने रुपए की दर थामने के लिए बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा का उपयोग पिछले दिनों किया था। जिसके कारण विदेशी मुद्रा का भंडार तेजी के साथ कम हुआ है। इससे भारत सरकार, वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक की स्थिति और भी ज्यादा खराब हुई। विदेशी मुद्रा का भंडार 16 सितंबर को 2 साल के निचले स्तर पर 545.-65 अरब डालर पर रह गया है। वर्तमान स्थिति में 8 से 9 माह का विदेशी मुद्रा का भंडार, आयात भुगतान के लिए रिजर्व बैंक के पास बचा हुआ है। आयात निर्यात में काफी अंतर होने से सरकार की परेशानी बढ़ी है। सरकार ने मान लिया है, कि अब रुपया को थामने के लिए विदेशी मुद्रा का उपयोग नहीं किया जाएगा। रुपया जितना गिरना है, उसे उतना गिरने दिया जाए।

यमुना सिटी में बनेंगे 3 ट्रांसपोर्ट नगर, इंडस्ट्री को मिलेगा बढ़ावा

ग्रेटर नोएडा। (एजेंसी)

पूरी दुनिया में चौथा सबसे बड़ा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनेगा जेवर एयरपोर्ट। इसका कुल क्षेत्रफल 62001 हेक्टेयर है। इसको बनाने की कवायद बहुत तेजी से की जा रही है, लेकिन सबसे बड़ी बात है कि जिस तरीके से जेवर एयरपोर्ट का अनाउंसमेंट हुआ था उसके साथ ही साथ उसके आसपास की और वहां की जमीनों के रेट रातों रात बढ़ गए थे। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां यहां पर इन्वेस्ट करने के लिए तैयार खड़ी है और साथ ही साथ देश-विदेश के बड़े-बड़े उद्योगपति भी अपना कारोबार यहां शुरू करना चाहते हैं। इसीलिए यमुना अथॉरिटी योजनाबद्ध तरीके से यह चाहती है कि अब जेवर एयरपोर्ट के पास अलग-अलग चीजों को बसाया जाए, अलग-अलग चीजों के लिए जगह चिन्हित की जाए और वहां हर सुविधा मौजूद हो जो एक अत्याधुनिक एयरपोर्ट और उसके आसपास रहती है। यमुना सिटी में प्राधिकरण तीन ट्रांसपोर्ट नगर बसाएगा। इनमें सबसे बड़ा ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर 23 में होगा। दूसरा ट्रांसपोर्ट नगर फिल्म सिटी में होगा, जबकि तीसरा ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर 33 इंडस्ट्रियल सेक्टर में होगा। यह ट्रांसपोर्ट नगर 3 सेक्टर में इंडस्ट्री में बढ़ावा देने के लिए बनाए जाएंगे। यमुना प्राधिकरण अभी से इस

योजना की तैयारी में जुट गया है। सेक्टर 33 इंडस्ट्रियल टाउनशिप में बनने वाले ट्रांसपोर्ट नगर की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार हो रही है। यह ट्रांसपोर्ट नगर 25 हेक्टेयर जमीन पर बनाया जाएगा। यहां पर इंडस्ट्री में लोड अनलोड होने वाले ट्रकों को खड़ा करने की जगह दी जाएगी और इसका मेंटेनेंस के लिए मैकेनिक स्पेयर पार्ट की दुकानें भी खोली जाएंगी। लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्ट इंडस्ट्रियल सेक्टर को बनाने के लिए प्राधिकरण ने इंटरनल सड़कों का जाल बिछाना शुरू कर दिया है। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरुण वीर सिंह ने बताया कि यमुना सिटी में बनने जा रही देश की सबसे बड़ी फिल्म सिटी में भी ट्रांसपोर्ट हब बनाया जाएगा। यह ट्रांसपोर्ट हब सेक्टर 21 में होगा इसके लिए 72 एकड़ जमीन चिन्हित की गई है। इसको किराए पर भी देने का प्रावधान किया जाएगा जिससे कि शूटिंग के दौरान असुविधा ना हो। उन्होंने बताया कि सेक्टर 23 में अलग से ट्रांसपोर्ट नगर बसाया जाएगा। यह नगर 560 एकड़ जमीन पर होगा और इसमें ट्रांसपोर्टर्स को तमाम तरीके की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

अडानी इंटरप्राइजेज को भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे परियोजना के लिए मिला फाइनेंशियल क्लोजर

अहमदाबाद। (एजेंसी)

अडानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों बदायूं हरदोई रोड प्राइवेट लिमिटेड (बीएचआरपीएल), हरदोई उन्नाव रोड प्राइवेट लिमिटेड (एचयूआरपीएल) और उन्नाव प्रयागराज रोड प्राइवेट लिमिटेड (यूपीआरपीएल) ने सिक्स लेन के ग्रीनफील्ड गंगा एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट के लिए फाइनेंशियल क्लोजर टोल आधारित पीपीपी मोड के तहत हासिल कर लिया है।रियायत की अवधि 30 वर्ष होगी। उत्तर प्रदेश में गंगा एक्सप्रेसवे, जो मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा। यह डीबीएफओटी के आधार पर लागू होने वाला भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे होगा। इसके 594 किलोमीटर की लंबाई में, एईएल बदायूं से प्रयागराज तक 464 किलोमीटर का निर्माण करेगी, जिसमें एक्सप्रेस-वे परियोजना का 80 प्रतिशत शामिल है। अडानी इंटरप्राइजेज के रोड बिजनेस के सीईओ के.पी. माहेश्वरी ने कहा, भारत रिकॉर्ड गति से सड़क के बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, जिसकी उसे अपने विकास के लिए जरूरत है, और हमें पूरे देश में बहुत जरूरी सड़क संपर्क प्रदान करने की खुशी है। भारतीय स्टेट बैंक ने गंगा एक्सप्रेसवे परियोजनाओं (बीएचआरपीएल, एचयूआरपीएल और यूपीआरपीएल) के लिए 10,238 करोड़ की संपूर्ण ऋण आवश्यकता को रेखांकित किया है। एसबीआई (NS:SBI) की इस सुविधा के साथ हम अपने देश और यूपी राज्य को एक और ऐतिहासिक बुनियादी ढांचा प्रदान करने की ओर एक कदम आगे बढ़ गए हैं। एईएल के सड़क निर्माण पोर्टफोलियो में 18 प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। पोर्टफोलियो में

एचएएम (हाइब्रिड वार्षिकी मोड), टीओटी (टोल-ऑपरेट-ट्रांसफर) और बीओटी (बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर) प्रकार की संपत्तियों का मिश्रण है। इसका विस्तार 6,400 लेन किलोमीटर से अधिक है। इसका संपत्ति मूल्य करीब 44,000 करोड़ रुपए है। ये परियोजनाएं भारत के दस राज्यों उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, केरल, गुजरात, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में फैला है।

सेबी ने एपेक्स ग्लोबल के प्रतिभूति बाजार में लेनदेन पर लगाई रोक

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने नियमों का उल्लंघन करने पर द एपेक्स ग्लोबल और उसके मालिक यदुनाथ सिंह ठाकुर के प्रतिभूति बाजार में लेनदेन पर चार साल के लिए रोक लगा दी है। सेबी ने कंपनी और उसके मालिक को अनधिकृत निवेश परामर्श सेवाओं के जरिए निवेशकों से जुटाया धन लौटाने का भी निर्देश दिया। बाजार नियामक ने पाया था कि एपेक्स ग्लोबल और ठाकुर अपने ग्राहकों को निवेश परामर्श देने का काम कर रहे थे और इसके बदले शुल्क ले रहे थे। इस तरह वे निवेश सलाहकार के तौर पर काम कर रहे थे जबकि उन्होंने निवेश परामर्श सेवाओं के लिए नियामक मंजूरी नहीं ली थी, जो नियमों का उल्लंघन है। सेबी ने बताया कि गैर-पंजीकृत निवेश परामर्श गतिविधियों और सेवाओं के जरिए उन्हें जून 2013 से दिसंबर 2019 के बीच 1.23 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। नियामक ने तीन महीने में यह पैसा शिकायतकर्ताओं/निवेशकों को वापस लौटाने का निर्देश दिया है। इसके अलावा कंपनी और ठाकुर के प्रतिभूति बाजार में चार साल तक लेनदेन करने पर भी रोक लगा दी गई है।

जुलाई-सितंबर में आठ प्रमुख शहरों में आवास बिक्री 49 फीसदी बढ़ी: रिपोर्ट

- पिछले वर्ष की समान तिमाही में 55,910 इकाइयां बिकी थीं

नई दिल्ली । (एजेंसी)

संपत्ति की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और बैंकों की ब्याज दरें बढ़ने के बावजूद भी देश के आठ प्रमुख शहरों में आवास की मांग मजबूत होती जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार जुलाई से सितंबर की अवधि के दौरान इन शहरों में आवास बिक्री सालाना आधार पर 49 फीसदी बढ़कर 83,220 इकाई रही है। पिछले वर्ष की समान तिमाही में 55,910 इकाइयां बिकी थीं। एक आवास ब्रोकरेज कंपनी ने अपनी जुलाई-सितंबर 2022 की तिमाही रिपोर्ट में बताया कि मौजूदा आवास बिक्री 2019 की समान तिमाही यानी महामारी से पहले के स्तर के पार चली गई है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि रियल एस्टेट उद्योग महामारी और उसके कारण आए व्यवधानों से उबर रहा है। ब्याज दरों में वृद्धि के बावजूद आवास की मांग में कमी नहीं आई है। उन्होंने कहा कि लोग अपना घर लेना चाहते हैं और मांग में वृद्धि की वजह यही है। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई-सितंबर तिमाही में मुंबई में आवास बिक्री 28,800 इकाई रही है जो पिछले वर्ष की समान अवधि की 14,160 इकाई से दोगुना से भी अधिक है। पुणे में बिक्री 55 फीसदी बढ़कर 15,700 इकाई हो गई, पिछले वर्ष यह 10,130 इकाई थी। दिल्ली-एनसीआर में यह 22 फीसदी बढ़कर 5,430 इकाई रही जो पिछले वर्ष 4,460 इकाई थी। अहमदाबाद में आवास बिक्री पिछले वर्ष जुलाई-अगस्त की 5,480 इकाई की तुलना में इस वर्ष 44 फीसदी बढ़कर 7,880 इकाई हो गई। बेंगलुरु में यह 20 फीसदी बढ़कर 7,890 इकाई रही जो पिछले वर्ष 6,550 इकाई थी। हैदराबाद में आवास बिक्री 35 फीसदी बढ़कर 10,570 इकाई रही जो पिछले वर्ष 7,810 इकाई थी। आंकड़ों के

मुताबिक चेन्नई और कोलकाता में आवास बिक्री पांच-पांच फीसदी घट गई। चेन्नई में यह पिछले वर्ष की 4,670 इकाई की तुलना में इस वर्ष घटकर 4,420 इकाई रह गई। कोलकाता में पिछले वर्ष जुलाई से सितंबर के बीच 2,650 इकाइयां बिकी थीं जो इस वर्ष घटकर 2,530 इकाई रह गई। प्रॉपटाइगर डॉट कॉम और हाउसिंग डॉट कॉम में शोध प्रमुख अंकिता सूद ने कहा कि आवासीय रियल्टी के लिए आगामी तिमाहियों के रूझान सकारात्मक हैं।

जनवरी-जुलाई के बीच में चाय का निर्यात बढ़कर 11.63 करोड़ किलोग्राम पर

कोलकाता: (एजेंसी)

कैलेंडर वर्ष 2022 में जनवरी से जुलाई की अवधि के दौरान चाय का निर्यात बढ़कर 11.63 करोड़ किलोग्राम हो गया। पिछले साल की समान अवधि में यह 10.33 करोड़ किलोग्राम रहा था। चाय बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, सबसे बड़े आयातक स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रकुल (सीआईएस) को निर्यात जनवरी-जुलाई अवधि में पिछले साल की समान अवधि के 2.49 करोड़ किग्रा के मुकाबले लगभग 2.52 करोड़ किग्रा पर स्थिर रहा। चाय उद्योग के सूत्रों के अनुसार, रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण निर्यात समान स्तर के आसपास रहा और निर्यात खेप प्रभावित हुई है। सीआईएस ब्लॉक में रूस प्रमुख आयातक रहा है। यहां मौजूदा सात महीनों में 1.85 करोड़ किग्रा चाय निर्यात किया गया। पिछले साल समान अवधि में 1.91 करोड़ किग्रा चाय निर्यात हुआ था। चाय बोर्ड के सूत्रों ने कहा कि कंटेनर संकट और उच्च समुद्री माल ढुलाई से रूस को निर्यात प्रभावित हुआ है। रूस के बाद, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहले सात महीनों के दौरान 1.91 करोड़ किलोग्राम चाय का आयात कर एक बड़े आयातक के रूप में उभरा है। पिछले साल की समान अवधि इसने 80.7 लाख किलोग्राम चाय का आयात किया था। ईरान को निर्यात भी पहले सात महीनों में लगभग 1.39 करोड़ किलोग्राम तक पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि में एक करोड़ 30.4 लाख किलोग्राम का हुआ था। चाय बोर्ड के सूत्रों के अनुसार, भुगतान की समस्या ने ईरान के निर्यात को प्रभावित किया है। आर्थिक संकट से परेशान श्रीलंका को निर्यात पिछले साल की समान अवधि से दोगुना होकर 16.5 लाख किलोग्राम हो गया।

आरबीआई ने कहा- औद्योगिक कर्ज की हिस्सेदारी पिछले एक दशक में धीरे-धीरे घटी

मुंबई । (एजेंसी)

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि कुल कर्ज में औद्योगिक की कर्ज की हिस्सेदारी पिछले एक दशक में धीरे-धीरे कम हुई है जबकि व्यक्तिगत कर्ज का हिस्सा बढ़ा है। आरबीआई की तरफ से भारत में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कर्ज पर मूल सांख्यिकीय रिटर्न मार्च 2022 शीर्षक से जारी रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2022 में औद्योगिक और व्यक्तिगत ऋणों की हिस्सेदारी करीब 27-27 प्रतिशत थी। औद्योगिक क्षेत्र के ऋण में 2021-22 में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि एक साल पहले इसमें गिरावट दर्ज की गई थी। आरबीआई ने कहा कि हाल के वर्षों में खुदरा क्षेत्र से ऋण की मांग बढ़ी है। छोटे आकार के कर्ज का हिस्सा भी लगातार बढ़ रहा है। एक करोड़ रुपए तक के कर्ज की हिस्सेदारी मार्च 2022 में बढ़कर करीब 48 फीसद हो गई, जो पांच साल पहले करीब 39 फीसद थी। वहीं 10 करोड़ रुपए से ज्यादा के कर्ज का हिस्सा घटकर 40 प्रतिशत पर आ गया जो पांच साल पहले 49 प्रतिशत था। इसमें कहा गया है कि कुल बैंक ऋण में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी घट रही है। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कुल कर्ज में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी मार्च 2022 में 54.8 प्रतिशत रही। यह पांच साल पहले 65.8 प्रतिशत और 10 साल पहले 74.2 प्रतिशत थी। दूसरी तरफ निजी क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी पिछले दस साल में करीब दोगुनी होकर 36.9 प्रतिशत हो गई।

सरकारी बैंकों में जल्द होगी लाखों पदों पर भर्ती

मुंबई । (एजेंसी)

पिछले सप्ताह वित्त मंत्रालय और बैंक के अधिकारियों की एक बैठक हुई है। जिसमें सरकारी बैंकों में हर महीने रिक्त पदों में भर्ती करने की अनुशंसा की गई है। इस संबंध में योजना तैयार की जा रही है। कि किस तरह भर्ती हो। सूत्रों के अनुसार अगले 1 साल में सरकारी बैंकों में कम से कम 1 लाख पदों पर भर्ती की जाएगी। भारत के सरकारी बैंकों में कर्मचारियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। बड़ी संख्या में पिछले 10 वर्षों में बैंक कर्मचारी रिटायर हुए हैं। उनके स्थान पर नई भर्ती नहीं होने से बैंक में रिक्त पदों की संख्या लगातार बढ़ती चली गई। वर्ष 2012-13 में सरकारी बैंकों में 8,86,490 लोग काम कर रहे थे। 2020-21 में इनकी संख्या घटकर मात्र 7,70,800 रह गई है। सबसे ज्यादा कमी क्लर्क स्तर में आई है। 2012-13 में सरकारी बैंकों में 3,98,801 क्लर्क थे। जो अब घटकर 2,74,249 और सहायक अधिकारी 1,53,628 थे। जो अब घटकर क्लर्क वर्ग में 2,74,249 तथा सहायक अधिकारी वर्ग में 1,10,323 रह गए हैं। सरकारी बैंकों में कर्मचारियों की संख्या सेवानिवृत्ति के कारण बड़ी तेजी के साथ घटी है। सेवानिवृत्त होने के बाद नियुक्तियां नहीं होने से यह अंतर काफी बढ़ गया है। जिसके कारण अब प्रतिमाह भर्ती करने का निर्णय लिया गया है।

Sports

सूर्यकुमार इस साल टी20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

तिरूवनंतपुरम । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव सूर्या ने इस साल टी20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने हैं। सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टी20 में अर्धशतक लगाया था। सूर्यकुमार इसी कारण वह 700 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस दौरान इस बल्लेबाज ने जमकर छक्के लगाये हैं। इसी के साथ ही वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में इस साल सबसे ज्यादा छक्के जमाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। 21 मुकाबले खेलकर उन्होंने कुल 45 छक्के लगाये हैं। अब तक कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार के करीब नहीं पहुंच पाया है। वहीं कप्तान रोहित शर्मा ने 27 छक्के लगाए हैं और वह सूची में 12वें नंबर पर हैं। सूर्या के बाद दूसरी नंबर पर अनजान से बल्लेबाज पपुआ न्यू गिनिया के बल्लेबाज टीपी उरा का नाम है। उरा ने 12 टी20 मैचों में 39 छक्के लगाए हैं। वहीं यूएई के मुहम्मद वसीम ने 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में इस साल 38 छक्के जमाए हैं। इस सूची में चौथा नंबर वेस्टइंडीज के रोवमेन पॉवेल का है जिनके नाम पर 36 छक्के हैं।

विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पांच पहलवान हासिल करेंगे पेरिस ओलंपिक का कोटा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शीर्ष छह नहीं बल्कि सभी 18 भार वर्गों में चोटी पर रहने वाले पांच पहलवान ही पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए कोटा स्थान हासिल करेंगे। इस तरह से 2023 में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से 18 कोटा स्थान हटा दिए गए हैं और उन्हें विश्व क्वालीफायर्स में जोड़ दिया गया है, जो पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अंतिम मौका होगा। यूनाईटेड विश्व कुश्ती (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) के अध्यक्ष नेनाद लालोविच ने कुश्ती के विश्व संचालन संस्था की आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से कहा कि यह बदलाव विश्व चैंपियनशिप और विश्व क्वालीफायर्स के बीच कोटा स्थानों के वितरण में निष्पक्षता बरतने के लिए किया गया है। विश्व चैंपियनशिप अगले साल 16 से 24 सितंबर के बीच रूस ने खेली जाएगी। विश्व चैंपियनशिप 2023 के अलावा 2024 में होने वाले महाद्वीपीय क्वालीफायर्स (एशिया, अफ्रीका, पैन-अमेरिका, यूरोपीय) और 2024 के विश्व ओलंपिक क्वालीफायर्स से भी खेलों के लिए कोटा हासिल किया जा सकेगा। इससे पहले विश्व चैंपियनशिप में 108 कोटा स्थान (प्रत्येक भार वर्ग में छह स्थान) दिए जाते थे लेकिन अब इनकी संख्या घटकर 90 हो गई है। भारत से बजरंग पूनिया (65 किग्रा), रवि दहिया (57 किग्रा), दीपक पूनिया (86 किग्रा) और विनेश फोगाट (53 किग्रा) ने नूर सुल्तान में 2019 में हुई विश्व चैंपियनशिप से तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई किया था, जबकि अंशु मलिक (57 किग्रा) और सोनम मलिक (62 किग्रा) ने अल्माटी, कजाकिस्तान में एशियाई प्रतियोगिता के जरिए क्वालीफाई किया था। हैवीवेट पहलवान सुमित मलिक (125 किग्रा) ने सोफिया, बुल्गारिया में विश्व क्वालीफायर्स में कोटा हासिल करके तोक्यो खेलों में जगह बनाई थी। अगले साल रूस में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में प्रत्येक भार वर्ग में चारों पदक विजेता (स्वर्ण, रजत और दो कांस्य पदक विजेता) अपने देशों के लिए कोटा स्थान हासिल करेंगे जबकि कांस्य पदक के प्लेऑफ में हारने वाले पहलवान पांचवें स्थान के लिए मुकाबला करेंगे। महाद्वीपीय क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं (एशियाई, अफ्रीकी, पैन अमेरिकी और यूरोपीय) से कुल 144 पहलवान ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगे। प्रत्येक ओलंपिक

भार वर्ग में शीर्ष पर रहने वाले दो पहलवान अपने देश के लिए एक एक कोटा स्थान हासिल करेंगे। विश्व चैंपियनशिप 2023 में कोटा स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ी महाद्वीपीय क्वालीफायर्स में भाग लेने के हकदार नहीं होंगे। वह हालांकि किसी अन्य शैली में भाग ले सकते हैं। विश्व ओलंपिक क्वालीफायर्स में प्रत्येक ओलंपिक भार वर्ग में तीन कोटा स्थान दांव पर लगे होंगे।

फीफा ने छेत्री को लेकर खास सीरीज बनाई , कोहली ने दी बधाई

नई दिल्ली । (एजेंसी)

विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री के अब के सफर में हासिल उपलब्धियों को लेकर एक एक खास सीरीज बनाई है। 'कैप्टन फैंटास्टिक' नाम की यह सीरीज फीफा प्लस पर उपलब्ध है और इसके तीन संस्करण हैं। इसी को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने छेत्री को बधाई दी है। छेत्री विश्व में सबसे ज्यादा गोल दागने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं और इसी के कारण उन्हें स्टार खिलाड़ियों क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनल मेसी के साथ खड़े होने का अवसर भी मिला है। वह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में तीसरे सबसे ज्यादा गोल दागने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। पुर्तगाल के कप्तान रोनाल्डो 117 गोल के साथ इस सूची में सबसे ऊपर हैं। इसके बाद अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी 90 गोल का नंबर आता है। छेत्री इस सूची में मेसी के बाद आते हैं और उनसे 6 गोल पीछे बने हुए हैं। छेत्री ने भारतीय टीम के लिए 131 मैच खेलते हुए 84 गोल किए हैं।

गौरतलब है कि फीफा प्लस अंतरराष्ट्रीय वैश्विक निकाय द्वारा लाया गया एक प्रोजेक्ट है और यह सीरीज उस प्रोजेक्ट का एक हिस्सा है। छेत्री पर बनी सीरीज के कुछ दृश्यों को बैंगलोर में फिल्माया गया था, जहां भारतीय कप्तान अभी रहते हैं. इसके अलावा सीरीज की शूटिंग दिल्ली में भी हुई है, जहां उनके माता-पिता रहते हैं और छेत्री का बचपन भी बीता है. सीरीज की पहली कड़ी में उनके शुरुआती दिनों की यात्रा दिखायी है। यह फ्लाई-ऑन-द-वॉल गाथा कप्तान की अनदेखी कहानियों को उजागर करती है, जिसमें उनके किशोर होने से लेकर रोमांटिक लाइफ तक के बारे में बताया गया है। छेत्री ने 20 साल की उम्र में भारतीय टीम में प्रवेश किया था। वहीं शो के तीसरे संस्करण में उनके निजी ओर पेशेवर जीवन के बारे में बताया गया है।

भाला थामे नीरज ने प्रशंसकों के साथ गरबा खेला

बड़ौदा । ओलंपिक स्वर्ण विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का यहां 36वें राष्ट्रीय खेलों के उदघाटन समारोह से पहले पहुंचने पर भव्य स्वावगत हुआ। नीरज ने भी अपने प्रशंसकों को निराश नहीं किया और भाला लिए हुए ही उनके साथ जमकर गरबा खेला। नीरज के गरबा

खेलने वाले डांस का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। नवरात्र का अवसर होने के कारण बड़ौदा में गरबे की धूम थी। ऐसे में जब प्रशंसकों ने इस स्टार खिलाड़ी को अपने साथ गरबा खेलते हुए देखा तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। नीरज ने भी फैंस को निराश नहीं किया। इस अवसर पर पारंपरिक पोशाक पहने पहुंचे नीरज ने प्रशंसकों के साथ उन्हीं के अंदाज में खेला। वहीं प्रशंसक भी भी बीच-बीच में नारे लगाते दिखे, गरम गरम सीरो, नीरज भाई हीरो। नीरज ने जिस अंदाज में गरबा किया, उसे देखकर कोई नहीं कह सकता था कि यह उनके लिए नया है। नीरज ने गरबा करने के बाद माइक भी थामा और हजारों की संख्या में मौजूद अपने चाहने वालों से बात की। इससे पहले, उन्होंने डायमंड लीग फाइनल्स जीतने के बाद घोषणा की थी कि मैं इस साल राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा नहीं ले रहा हूं। इन खेलों से पहले मैंने अपनें कोच से बात की थी और उन्होंने अगले सत्र के लिए तरोताजा रहने के लिए मुझे आराम करने को कहा था।

महिला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट : सात अक्टूबर को होगा भारत-पाकिस्तान का मुकाबला

नई दिल्ली । (एजेंसी)

अगले माह होने वाले महिला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मुकाबला सात अक्टूबर को पाकिस्तान से होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 1 अक्टूबर को श्रीलंका के साथ मुकाबले से खेलेगी , वहीं दूसरे मुकाबले में 3 अक्टूबर को मलेशिया से खेलेगी। इस टूर्नामेंट में राउंड रॉबिन प्रारूप में सात टीमें उतरेंगी। ये सभी टीमें 6-6 मैच खेलेंगी। इसके बाद चार शीर्ष टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। इन चार टीमों में से दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। खिताबी मुकाबला 15 अक्टूबर को खेला जाएगा। महिला एशिया कप 2012 से ही टी20 प्रारूप में खेला जाता रहा है। इससे पहले यह एकदिवसीय प्रारुप में खेला गया था।

महिला एशिया कप 2022 में भारतीय टीम का कार्यक्रम

तारीख	मुकाबला	स्थल	समय
1 अक्टूबर 2022	भारत बनाम श्रीलंका	सिलहट क्रिकेट स्टेडियम	आउटर दोपहर 1.00 बजे
3 अक्टूबर 2022	भारत बनाम मलेशिया	सिलहट क्रिकेट स्टेडियम	आउटर दोपहर 1.00 बजे
4 अक्टूबर 2022	भारत बनाम यूएई	सिलहट क्रिकेट स्टेडियम	आउटर दोपहर 1.00 बजे
7 अक्टूबर 2022	भारत बनाम पाकिस्तान	सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम	दोपहर 1.00 बजे
8 अक्टूबर 2022	भारत बनाम बांग्लादेश	सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम	दोपहर 1.00 बजे
10 अक्टूबर 2022	भारत बनाम थाईलैंड	सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम	दोपहर 1.00 बजे

15 अक्टूबर को खेला जाएगा फाइनल

महिला एशिया कप के 2022 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला 13 अक्टूबर को सिलहट अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में सुबह 9.00 बजे खेला जाएगा। वहीं दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला भी 13 अक्टूबर को इसी मैदान पर होगा, लेकिन समय दोपहर 1.00 बजे का होगा। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 15 अक्टूबर को सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दोपहर 1.00 बजे खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

जॉर्जिया के लेवान नें जीती छत्तीसगढ़ चीफ़ मिनिस्टर शतरंज ट्रॉफी ,

रायपुर(निकलेश जैन) छत्तीसगढ़ चीफ़ मिनिस्टर ट्रॉफी इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट का खिताबटॉप सीड ग्रांड मास्टर जॉर्जिया के लेवान पंट्सूलिया नें अपने नाम कर लिया है । अंतिम और दसवे राउंड में उन्होने भारत के इंटरनेशनल मास्टर अजय कार्तिकेयन से अपनी बाजी ड्रॉ खेलते हुए पहला स्थान हासिल कर लिया । लेवान पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहे और उन्होने 7 जीत और 3 ड्रॉ से 8.5 अंक बनाए । दूसरे स्थान पर रूस के बोरिस शेवचेंकों रहे जिन्होने अंतिम राउंड में भारत के श्रीहरी एल को मात देते हुए 7.5 बनाए और बेहतर टाईब्रेक में दूसरा स्थान हासिल किया जबकि पोलैंड के माइकल क्रासेनकोव नें मंगोलिया के टेगमेड बट्चुलून को मात देते हुए 7.5 अंको पर तीसरा स्थान हासिल किया । भारत नें श्याम सुंदर नें हमवतन हर्षवर्धन जीबी को पराजित कर चौंथा स्थान प्राप्त किया और भारतीय खिलाड़ियों में पहले स्थान पर रहे । अन्य खिलाड़ियों में 7 अंक बनाकर मंगोलिया के टेगमेड बट्चुलून,ईरान के अराश तहबाज ,भारत के अजय कार्तिकेयन ,मोहम्मद नुबेरशाह शेख ,मित्रभा गुहा और उक्रेन के नेवेरोव वालेरीय नें क्रमशः टाईब्रेक के आधार पर पांचवें से दसवां स्थान हासिल किया । भारत के उत्सब चटर्जी भारत के नवीन इंटरनेशनल मास्टर बन गए जबकि श्रीहरी एल और आर्यन वर्षने नें अपना तीसरा इंटरनेशनल मास्टर नार्म हासिल किया । वहीं महालक्ष्मी एम सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी रही । प्रतियोगिता में कुल 35 लाख रुपेय के पुरूष्कार दिये गए ।

राहुल ने रोहित और विराट को पीछे छोड़ा

तिरूवनंतपुरम । यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए पहले ही टी20 मुकाबले में अर्धशतक लगाने के साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज लोकेश राहुल ने एकसाथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। राहुल ने सबसे अधिक देशों के खिलाफ अर्धशतक लगाने के रोहित और विराट को पीछे छोड़ दिया। राहुल के अब 11 अलग-अलग देशों के खिलाफ अर्धशतक हो गये हैं जबकि विराट और रोहित के दस देशों के खिलाफ शतक हैं। राहुल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पचास रन पूरे करने के साथ ही अपना 19वां टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाया। उनके नाम 65 मुकाबलों में 2080 रन दर्ज है। उनका औसत करीब 40 का है जबकि स्ट्राइक रेट 139.22 का रहा है। राहुल अब भारत की तरफ से टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में तीसरे नंबर पर आ गये हैं। वहीं रोहित 3694 रन बनाकर पहले नंबर पर हैं। दूसरे नंबर पर विराट हैं। विराट के नाम 3663 रन हैं। रोहित और कोहली सबसे ज्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक के मामले में पहले और दूसरे नंबर पर हैं। राहुल इस सूची में 16वें नंबर पर हैं। राहुल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने पहले ही मुकाबले में अर्धशतक लगाया। अब राहुल 11 अलग-अलग देशों के खिलाफ अर्धशतक लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने हैं। राहुल ने ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ तीन-तीन जबकि वेस्टइंडीज व अफगानिस्तान के खिलाफ दो-दो अर्धशतक लगाये हैं। इसके अलावा उन्होंने बांग्लादेश, इंग्लैंड, आयरलैंड, नामीबिया, स्कॉटलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक-एक बार अर्धशतक लगाया है।

भारत से हार के बाद बोले दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा, पिच को लेकर कही यह बात

तिरुवनंतपुरम । (एजेंसी)

भारत से आठ विकेट की हार के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा कि उनकी टीम को उम्मीद नहीं थी कि सतह इस तरह से खेलेगी। अर्शदीप सिंह के तीन विकेट के बाद सूर्यकुमार यादव के 50* और केएल राहुल की 51 रनों की नाबाद पारी ने बुधवार को यहां ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में तीन मैचों की टी20आई श्रृंखला के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को आठ विकेट से हरा दिया। मैच के बाद बावुमा ने कहा, एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम उन परिस्थितियों में खुद को लागू करने में विफल रहे। हमें पिच के इस तरह से खेलने की उम्मीद नहीं थी। हां, हमें उम्मीद थी कि यह मसालेदार होगी लेकिन आम तौर पर आप दुनिया के इस हिस्से में लाइन के माध्यम से हिट करने में सक्षम होंगे। इस जीत के साथ भारत सीरीज में 1-0 से आगे है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। दीपक चाहर और अर्शदीप सिंह ने प्रोटियाज को तीन ओवर से कम समय में सिर्फ 9 रन पर आधी टीम आउट हो गई। हालांकि केशव महाराज (41), एडेन मार्कराम (24) और वेन पार्नेल (24) की फाइटिंग नॉक ने उन्हें 20 ओवर में 106/8 रन बनाने में मदद की। चाहर (2/24) और अर्शदीप (3/32) ने भारत के लिए शानदार चार ओवरों के स्पैल दिए और दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम को नष्ट किया। हर्षल पटेल (2/26) और अक्षर पटेल (1/16) ने भी अपने स्पैल से प्रभावित किया। लक्ष्य (107 रन) का पीछा करते हुए भारत ने धीमी शुरुआत की। रोहित शर्मा (0) और विराट कोहली (3) को कगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्टजे से सस्ते में खो दिया। पावरप्ले समाप्त होने के बाद भारत का स्कोर 17/2 था। केएल राहुल (51*) और फॉर्म में चल रहे सूर्यकुमार यादव (50*) ने खेल को आगे बढ़ाया जिसमें राहुल आराम से और सूर्यकुमार आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे। दोनों ने भारत को आठ विकेट से जीत दिलाने में मदद करने के लिए 93 रनों की मैच जिताऊ साझेदारी की। अर्शदीप सिंह ने अपने शानदार स्पेल के लिए 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता।

विश्व कप से पहले ध्यान 'अनुकूलनशीलता' पर : अर्शदीप सिंह

तिरुवनन्तपुरम । भारत के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा है कि अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले टीम का ध्यान मुख्यतः'अनुकूलनशीलता'पर है। अर्शदीप ने बुधवार को यहां मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'अनुकूलनशीलता हमारी टीम का बड़ा मकसद है। हमारा लक्ष्य टीम की परिस्थितियों और मांगों के अनुकूल खेलना है, चाहे परिस्थितियां जैसी भी हों। जब हम वहां (ऑस्ट्रेलिया) जाएंगे तो देखेंगे कि हालात कैसे हैं। मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हूं।' अर्शदीप (3/32) ने दीपक चाहर (2/24) के साथ मिलकर दक्षिण अफ्रीका को पहले टी20 में 106/8 के स्कोर पर रोककर भारत की जीत की नींव रखी। इसके बाद सूर्यकुमार यादव और लोकेश राहुल ने अर्द्धशतक जड़कर भारत को 16.4 ओवर में 107 रन के लक्ष्य तक पहुंचाया। अर्शदीप ने विश्व कप की तैयारी के बारे में कहा, 'हम अभ्यास सत्र में सभी क्षेत्रों को छूने और मैदान पर अपनी सभी योजनाओं को अमल में लाने की कोशिश कर रहे हैं। आज पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी दिखाने का एक अच्छा मौका था और हम आने वाले दिनों में अछवुत चीजें करने की उम्मीद कर रहे हैं।' बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप टी20 विश्व कप के लिए भारत की डेथ ओवर योजनाओं का हिस्सा हैं, लेकिन कंडीशनिंग-संबंधी कार्य के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) जाने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला का हिस्सा नहीं बन पाए थे। अर्शदीप ने एनसीए में बिताए गए समय के बारे में कहा, 'पिछले 10 दिनों का उद्देश्य तरोताजा होना और मजबूती के साथ वापस आना था जो मेरी गेंदबाजी में मेरी मदद करेगा। मैं वास्तव में तरोताजा महसूस कर रहा हूं और मैदान पर अच्छी चीजें करने के लिए उत्सुक हूं।' अर्शदीप ने जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार की अनुपस्थिति में नयी गेंद से गेंदबाजी करते हुए अपने पहले ही ओवर में पांच गेंदों में तीन विकेट लिए, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने अपने आप को 8/4 के स्कोर पर पाया। दक्षिण अफ्रीका अर्शदीप के झटकों से उभर नहीं सकी और अंततः आठ विकेट से मैच हार गई। इस साल जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर पदार्पण करने वाले अर्शदीप ने कहा कि वह हमेशा चयन की परवाह किए बिना मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करते हैं।

जसप्रीत बुमराह टी20 विश्व कप से बाहर

नयी दिल्ली, भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह चोटिल होने के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं जो कि अगले महीने होने वाली आईसीसी प्रतियोगिता से पहले टीम के लिए बहुत बड़ा झटका है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा कि बुमराह पीठ दर्द की गंभीर समस्या से परेशान हैं और उन्हें महीनों तक टीम से बाहर रहना पड़ सकता है। बीसीसीआई अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा,'' यह तय है कि बुमराह टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाएंगे। उन्हें पीठ दर्द की गंभीर परेशानी है और उन्हें छह महीने तक बाहर रहना पड़ सकता है।'' बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टी20 मैच खेले थे लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला का पहला मैच खेलने के लिए तिरुअनंतपुरम नहीं गए थे। रविंद्र जडेजा के बाद बुमराह दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं जो विश्वकप में नहीं खेल पाएंगे। जडेजा घुटने के ऑपरेशन से उबर रहे हैं।

सूर्यकुमार का मुश्किल पिच पर आते ही शॉट खेलना अविश्वसनीय: केएल राहुल

तिरुवनंतपुरम । (एजेंसी)

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के शुरुआती मैच में कठिन परिस्थितियों में सहजता से बल्लेबाजी करने वाले सूर्यकुमार यादव की तारीफ करते हुए भारतीय सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल ने कहा कि मुश्किल पिच पर उनकी आक्रामक बल्लेबाजी को देखना अविश्वसनीय था। बुधवार को नमी और उछालभरी पिच पर सूर्यकुमार ने 33 गेंद में नाबाद 50 रन बनाये जबकि राहुल ने 56 गेंद में 51 रन की नाबाद पारी खेली। इससे पहले तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (तीन विकेट) और दीपक चाहर (दो विकेट) की तूफानी गेंदबाजी के सामने दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 106 रन ही बना सकी। भारत ने 16.4 ओवर में दो विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते समय भारत की भी शुरुआत खराब रही। टीम ने कप्तान रोहित शर्मा(0) और विराट कोहली (तीन) के विकेट जल्दी गंवा दिए और पावर प्ले में राहुल रन बनाने के लिए जूझते दिखे। शुरुआती छह ओवरों में टीम का स्कोर दो विकेट पर महज 17 रन था। राहुल ने मैच के बाद कहा, 'जाहिर है, इस पिच पर बल्लेबाजी करना मुश्किल था। हमने पहले भी इस तरह की मुश्किल पिचों पर बल्लेबाजी की है लेकिन मैच वहां रन नहीं बना सका था। ऐसे में यह काफी मुश्किल पारी थी।' उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले सूर्यकुमार यादव की तारीफ करते हुए कहा, 'सूर्यकुमार को मैदान पर उतरते ही इस तरह के शॉट खेलते देखना अविश्वसनीय था। आप ने देखा होगा किस तरह से यहां गेंद स्विंग कर रही थी। पिच से गेंद को दोहरी गति मिल रही थी और कुछ गेंदें रूक कर आ रही थी। इस पर किसी के लिए भी बल्लेबाजी करना मुश्किल होता।' भारतीय उप-कप्तान ने कहा, 'सूर्यकुमार को पहली ही गेंद शरीर पर लग गई। इसके बाद वह शॉट खेलना चाहता था, गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक रूख अपनाना चाहता था। इससे मुझे क्रीज पर समय बिताने का मौका मिला। इससे मुझे पारी के आखिर में बड़े शॉट खेलने में मदद की।' राहुल ने इस मौके पर युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की भी तारीफ की जिन्होंने अपनी शुरुआती ओवर में ही तीन विकेट चटकाकर मैच पर भारत की पकड़ मजबूत कर दी। इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, 'उसके खेल में हर मैच के साथ सुधार हो रहा है। वह बड़े दिल (दबाव में संयम बनाये रखने वाला) का खिलाड़ी है। इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व करते हुए मैंने उसे करीब से देखा है।'

प्रो लीग में स्पेन से खेलने का लाभ विश्व कप में मिलेगा : मनप्रीत

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा है कि अगले महीने होने वाले एफआईएच प्रो लीग में स्पेन से खेलने का लाभ टीम को विश्व कप में मिलेगा। भारतीय टीम को विश्वकप में अपना पहला मैच स्पेन से ही खेलना है। मनप्रीत के अनुसार प्रो लीग मैच से उनकी टीम स्पेन की रणनीति बेहतर तरीके से समझ पायेगी। मनप्रीत ने कहा, 'यह अच्छा है कि हमें प्रो लीग मुकाबले में अभी स्पेन के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। इससे

हमें उनके खेलने का तरीका समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही हमे पता चलेगा कि विश्व कप से पहले टीम को किस प्रकार के सुधार करने हैं।' उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर हॉकी के लिए यह रोमांचक समय है और मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर से प्रशंसक हमारा हौंसला बढ़ाने के लिए राउरकेला और भुवनेश्वर आएंगे।' भारतीय टीम विश्व कप के पूल डी में इंग्लैंड , स्पेन और वेल्स के साथ है। विश्व कप में स्पेन के खिलाफ भारतीय टीम का मुकाबला नये बने राउरकेला स्टेडियम में खेला जाएगा। यह विश्वका सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम बना है। मनप्रीत ने कहा, 'हम सभी ने अनुभव किया है कि भुवनेश्वर के कलिंग हॉकी स्टेडियम में माहौल कितना बेहतर हो सकता है। मैंने सुंदरगढ़ के टीम के अपने साथियों से पता चला है कि इस क्षेत्र के प्रशंसक सभी मुकाबलों के लिए बड़ी संख्या में राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में पहुंचेंगे।' उन्होंने कहा कि नये बने बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में 20 हजार से अधिक लोगों के बीच खेलने का अनुभव अनूठा रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

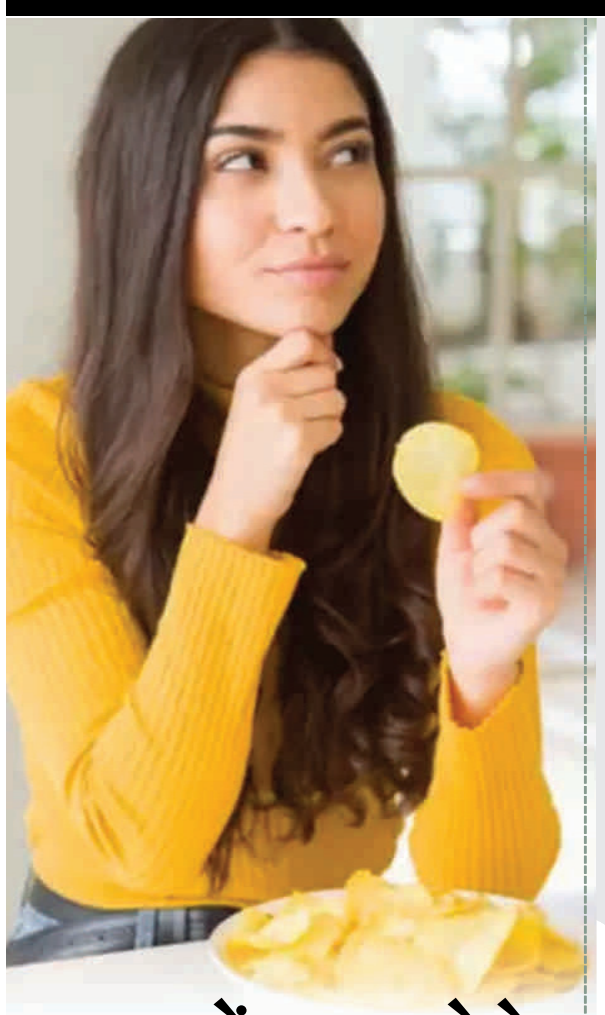

नवरात्र में व्रत रखने के साथ-साथ सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी

नवरात्र में नौ दिन के व्रत में सामान्यत: फलाहार लिया जाता है। कुछ लोग केवल एक वक़्त खाते हैं और कुछ फलाहार के चलते सामान्य दिनों के मुकाबले अधिक असंतुलित आहार लेने लगते हैं। इससे शरीर को पोषण तो नहीं मिलता, लेकिन कैलोरी, वसा और शर्करा की मात्रा ज़रूर बढ़ जाती है। इसी तरह लंबे अंतराल के बाद जब कुछ खाते हैं तो

कि किन खाद्यों के सेवन से आप अपने व्रत को स्वास्थ्य की दृष्टि से भी सार्थक बना सकते हैं...

पर्याप्त तरल पदार्थ

व्रत के दौरान शरीर को हाइड्रेटेड रखना भी ज़रूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी तो पीना ही है, साथ में अन्य तरल पदार्थ जैसे नींबू का जूस या शिकंजी और नारियल पानी भी पिएं। फलों का रस ले सकते हैं लेकिन छाने बिना यानी कि जिसमें फल के रेशे भी हों। फलों के रस के साथ-साथ फाइबर भी मिलेगा जो कि भोजन को पचाने के लिए बहुत ज़रूरी है। तरल पदार्थ से शरीर को ज़रूरी विटामिन और खनिज मिलेंगे। फाइबर युक्त भोजन लेने की दूसरी वजह यह भी है कि व्रत के दरमियान कम भोजन ग्रहण करने से कब्ज़ की समस्या हो सकती है। इसलिए

लोग ले सकते हैं जिन्हें फल खाना पसंद नहीं या चबा नहीं सकते। यह भी ध्यान रखें कि जूस घर का बना ही पीना है।

खानपान की सलाह

कम होती है और पोषक तत्वों की मात्रा अधिक होती है। इसी तरह कम वसा युक्त दही, लस्सी और छाछ ले सकते हैं। तेल की बहुत कम मात्रा में भुनी हुई मूंगफली, कुट्टू के आटे की रोटियां ले सकते हैं। कम तेल या घी में बने हुए फलाहारी आलू, साबूदाना खिचड़ी या टिक्की ले सकते हैं। तेल में तली हुईं टिक्कियां खाने से बचें। आलू के बजाय लौकी की सब्ज़ी और हलवा (कम घी में) ले सकते हैं। सबसे ज़रूरी बात, व्रत के दौरान घर का बना शुद्ध भोजन ही खाएं।

फल-सब्जियां लें

व्रत में फल और सब्ज़ियों के सलाद का सेवन कर सकते हैं। एक या

पर्याप्त मात्रा ले सकते हैं। गैर मौसमी फल, जैसे तरबूज़, ख़रबूज़, संतरे आदि का सेवन बिल्कुल न करें। वहीं सब्ज़ियों में खीरा, टमाटर, चुकंदर, हरा धनिया और शकरकंद आदि पर सेंधा नमक और काली मिर्च पाउडर डालकर खाया जा सकता है।

थोड़ा-थोड़ा खाएं

ऐसे कई लोग हैं जो व्रत के दौरान दिनभर कुछ नहीं खाते, और जब खाते हैं तो भूख से अधिक खा लेते हैं, जैसे कि एक प्लेट भरकर फलाहारी आलू, सिंघाड़े का हलवा, थोड़े-से आलू के चिप्स और एक गिलास दूध। इससे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचेगा और वज़न भी बढ़ेगा। एक-साथ खाने के बजाय बेहतर है कि आप दिनभर में तीन-चार बार थोड़ा-थोड़ा खाएं।

शरीर को आराम दें

इस दौरान खानपान में बदलाव होने के कारण आपके दिमाग़ और शरीर को खानपान के पैटर्न को समझने में समय लगेगा। इस स्थिति में थोड़ा आलस्य महसूस हो सकता है या चिड़चिड़ाहट हो सकती है। बेहतर होगा कि समय-समय पर आराम करें। रात को जल्दी सोएं और भरपूर नींद लें। यदि दफ़्तर में हैं तो दिमाग़ और शरीर को अधिक मेहनत न कराएं।

दिवाली की तैयारी कई महीनों पहले से ही शुरू हो जाती है। अमूमन महिलाएं दिवाली से पहले अपने घर के कोने-कोने की सफाई कंप्लीट कर लेना चाहती हैं। यूं तो हम सभी अपने घर को समय-समय पर साफ करते हैं, लेकिन दिवाली के अवसर पर घर के हर कोने को साफ किया जाता है।

दिवाली पर आपकी क्लीनिंग को बेहद आसान बनाएंगे ये गैजेट्स

दिवाली वर्ष में एक बार आने वाला ऐसा त्योहार होता है, जिसकी तैयारी कई महीनों पहले से ही शुरू हो जाती है। अमूमन महिलाएं दिवाली से पहले अपने घर के कोने-कोने की सफाई कंप्लीट कर लेना चाहती हैं। यूं तो हम सभी अपने घर को समय-समय पर साफ करते हैं, लेकिन दिवाली के अवसर पर घर के हर कोने को साफ किया जाता है। अगर आप दिवाली की सफाई बिना किसी परेशानी के बेहद ही आसान तरीके से करना चाहती हैं तो इन गैजेट्स की मदद ले सकती हैं। हालांकि, ऐसा करने में बहुत अधिक समय व मेहनत खर्च करना पड़ता है। कई बार महिलाओं का बहुत अधिक समय दिवाली की सफाई करने में ही खर्च हो जाता है। लेकिन अगर आप अपने समय व मेहनत को बचाना चाहती हैं तो कुछ गैजेट्स को खरीद सकती हैं। यह क्लीनिंग गैजेट्स आपके घर की सफाई के काम को ना केवल आसान बनाते हैं, बल्कि इससे आपको अधिक बेहतर रिजल्ट भी मिलते हैं।

खरीदें स्क्रीन क्लीनिंग ब्रश

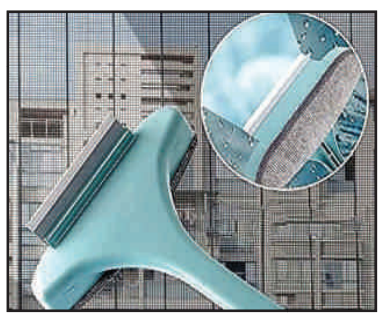

यह एक मल्टीफ़ंक्शनल स्क्रीन ब्रश होता है, जिसकी मदद से आप ग्लॉस, खिड़कियों, काउंटरटॉप आदि कई जगहों की बेहद आसानी से सफाई कर सकती हैं। आप इसे लिंट ब्रश के रूप में भी उपयोग कर सकती हैं और अपने कपड़े, सोफे आदि से धूल और बालों को हटा सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसे गीला व व सूखा दोनों तरह से इस्तेमाल किया जाता है। धूल हटाने की सफाई इसे सूखा उपयोग करें, वहीं विंडो क्लीन करने के लिए इसे गीला इस्तेमाल करें।

खरीदें माइक्रोफाइबर फैन क्लीनिंग डस्टर

यह एक बेहद ही काम का प्रोडक्ट है, जो दिवाली की क्लीनिंग के दौरान आपके बेहद ही काम आने वाला है। यह वास्तव में एक फैन क्लीनिंग डस्टर है, लेकिन आप इससे सिर्फ फैन ही नहीं, बल्कि अपने घर के कई कोनों को आसानी से साफ कर सकती है। फर्श की सफाई करने से लेकर आप झूमर, दीवारें व कई ऐसी जगहों को क्लीन कर सकती हैं, जिसे हाथों की मदद से साफ करना काफी कठिन है। माइक्रोफाइबर फैब्रिक के उपयोग के कारण आपको अधिक बेहतर रिजल्ट मिलता है।

खरीदें शॉवर हेड क्लीनिंग ब्रश

दिवाली की सफाई के दौरान बाथरूम को साफ करना काफी मुश्किल होता है और इसमें काफी वक्त भी लगता है। मसलन, अगर आप शॉवर हैड को क्लीन करते हैं तो उसके छोटे-छोटे छेदों को साफ करना यकीनन एक टफ टास्क है। ऐसे में आप शॉवर हेड क्लीनिंग ब्रश का इस्तेमाल करें। इसके ब्रश ऐसे होते हैं जो उन छोटे छेदों को अनक्लॉग करके उसे अच्छी तरह साफ करने में आपकी मदद करते हैं। हालांकि, इस ब्रश की मदद से आप शॉवर हेड के अलावा अपना फोन या घर की टैप आदि को भी साफ कर सकती हैं।

खरीदें इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर

दिवाली पर जब महिलाएं अपने घर को साफ करना शुरू करती हैं तो वह हर कोने को साफ करने के लिए उसे अच्छी तरह रगड़ती हैं। जिसके कारण उनके हाथों से लेकर कमर तक में दर्द हो जाता है। लेकिन अगर आप इस दिवाली इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर खरीदती हैं तो आपको अपने घर को रगड़ने की मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। आप अपने फर्श से लेकर दीवारों, शॉवर, बाथटब, किचन आदि जगहों पर इस इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर का इस्तेमाल करें। यह कुछ ही मिनटों में उस जगह को एकदम से चमका देगा।

बाजार से परफ्यूम क्यों खरीदना ? बस इन एसेंशियल ऑयल का करें इस्तेमाल

गुलाब के फूलों की खुशबू से बेहतर दूसरी खुशबू शायद ही कोई और हो। इसलिए आप रोज एसेंशियल ऑयल को बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करें। इसकी महक काफी तेज होती है, इसलिए आपको इस तेल का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहिए। एक बूंद आपको प्यारी महक देगी।

हम सभी अपनी डे टू डे लाइफ में तरह-तरह के परफ्यूम का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। इनकी महक आपको एक फील गुड देता है। लेकिन कई लोगों को परफ्यूम के इस्तेमाल के कारण परेशानी होती है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप एसेंशियल ऑयल को ही परफ्यूम की तरह इस्तेमाल करें। यह ना केवल आपको पूरा दिन महकाने में मदद करेंगे, बल्कि आपको अन्य भी कई लाभ मिलेंगे। कई परफ्यूम में फ़ेथलेट्स जैसे हानिकारक सिंथेटिक तत्व होते हैं, वहीं दूसरी ओर एसेंशियल ऑयल सिंथेटिक नहीं होते हैं और इनमें वास्तव में उपचार गुण हो सकते हैं।

जैसमीन एसेंशियल ऑयल

जैसमीन एसेंशियल ऑयल एक ऐसा ऑयल है, जिसे परफ्यूम के रूप में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। यह महंगा है, लेकिन किसी खास अवसर के लिए इसे इस्तेमाल किया जा सकता है। इस तेल में एक मीठी, फूलों की सुगंध है जो आपको ऐसा महसूस कराएगी कि आप चमेली के बगीचे से गुजर रहे हैं। चमेली के तेल में अपनी मादक सुगंध के अलावा चिंता को कम करने की क्षमता भी होती है। तो ऐसे में आप खुद को तनावमुक्त रखने के लिए भी इसके इस्तेमाल पर विचार कर सकते हैं।

रोज एसेंशियल ऑयल

गुलाब के फूलों की खुशबू से बेहतर दूसरी खुशबू शायद ही कोई और हो। इसलिए आप रोज एसेंशियल ऑयल को बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करें। इसकी महक काफी तेज होती है, इसलिए आपको इस तेल का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहिए। एक बूंद आपको प्यारी महक देगी।

इलंग इलंग एसेंशियल ऑयल

इलंग इलंग एसेंशियल ऑयल इलंग इलंग फूलों से बनाया जाता है। इसकी सुगंध काफी आनंददायक होती हैं। यह आपको एक खुशनुमा अहसास करवाती है। अगर आप चाहें तो इसे भी बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करने पर विचार कर सकते हैं। इसकी खुशबू काफी रोमांटिक होती है। इंडोनेशिया में तो नवविवाहितों के पलंगों के ऊपर इलंग इलंग के फूल बिछाए जाते हैं।

फलाहार के नए स्वाद

स्टफ्ड साबूदाना बड़ा, मीठे में पान की मिठाई और फलों का श्रीखंड बनाएं

नवरात्र में व्रत के दौरान फलाहार को लेकर अक्सर असमंजस बना रहता है कि हर रोज़ ऐसा क्या बनाएं, जो स्वाद में नयापन लिए हो और सेहत के लिहाज़ से भी ठीक हो। आपकी इस मुश्किल को दूर करने के लिए हम नौ दिनों के लिए नौ ख़ास रेसिपी यहां प्रस्तुत कर रहे हैं। इन्हें तैयार करने में समय भी कम लगेगा और व्रत में नया फलाहार भी मिलेगा।

स्टफ्ड साबूदाना वड़ा

क्या चाहिए

दही- 5 बड़े चम्मच (हंग कर्ड), जीरा पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, आलू- 4 मध्यम आकार के उबले हुए, साबूदाना- 1 कप (6-8 घंटे पानी में

मूंगफली- 1/2 कप दरदरी पिसी, हरा धनिया- आवश्यकतानुसार, सेंधा नमक- स्वादानुसार, काली मिर्च पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच। भरावन के लिए- दही- 5 बड़े चम्मच (हंग कर्ड), जीरा पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, सेंधा नमक- स्वादानुसार।

ऐसे बनाएं

बोल में आलुओं को मसल लें। इसमें साबूदाना, हरी मिर्च, हरा धनिया, सेंधा नमक, काली मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर और मूंगफली डालकर गूंध लें। अलग बोल में भरावन की सामग्री मिला

भरावन भरें। वड़े को बंद करके गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तल लें। साबूदाना वड़े को चटनी के साथ परोसें।

पान की मिठाई

क्या चाहिए

मिल्क पाउडर- 6 बड़े चम्मच, आइसिंग शुगर- 1 बड़ा चम्मच, खाने वाला नारियल तेल- 5 बड़े चम्मच, गुलकंद- 1 बड़ा चम्मच, पान का

लिए- फूल के आकार का सिलिकॉन सांचा।

ऐसे बनाएं

मिक्सिंग जार में मिल्क पाउडर, आइसिंग शुगर, नारियल तेल, गुलकंद और पान का पत्ता डालकर पीस लें। अब सांचे में पहले 4-5 टूटी फ्रूटी डालें फिर थोड़ा पिसा हुआ मिश्रण डालकर अच्छी तरह से दबा दें। मिश्रण भरे सांचे को फ्रिज में रखें और आधे घंटे बाद निकालें। अब हल्के हाथों से सांचे को दबाते हुए मिठाई को बाहर निकाल लें। इसे सामान्य तापमान में लाकर या ठंडा ही सर्व करें।

समा चावल फिरनी

क्या चाहिए

समा के चावल- 1/4 कप, दूध- 500 मिली, शक्कर- स्वादानुसार, बादाम और काजू- 1/2-1/2 बड़ा चम्मच कटे हुए, पिस्ता- 1 छोटा चम्मच कटा हुआ, इलायची पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, अनन्नास के टुकड़े- 1/4 कप, केसर- 5-6 धागे।

ऐसे बनाएं

कड़ाही में दूध उबलने रखें। एक-दो उबाल आने पर समा के चावल

जब तक कि वो गाढ़ी न हो जाए। चावल पकने के बाद आख़िर में

काजू, पिस्ता और इलायची पाउडर डालकर मिलाएं। फिरनी को ठंडा करके अनन्नास के टुकड़े डालकर परोसें।

पनीर-केला रोल्स

क्या चाहिए

पनीर- 200 ग्राम, हरी मिर्च- 3 बारीक कटीं, नमक- स्वादानुसार, काली मिर्च- 1/4 छोटा चम्मच, हरा धनिया- ज़रूरत के अनुसार। लपेटने के लिए- कच्चे केले- 1-2, लौंग- 8-10, तेल- 2 बड़े चम्मच। सलाद के लिए- गाजर- 2 किसी हुई, ऑलिव ऑयल- 1 बड़ा चम्मच, तिल- 1/2 छोटा चम्मच, काली मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार।

ऐसे बनाएं

कच्चे केले को छीलकर उसकी लंबी स्लाइस काट लें। इन स्लाइस को पैन में एक चम्मच तेल डालकर शैलो फ्राय करें। इन्हें टिशू पेपर

लें फिर इसमें हरी मिर्च, हरा धनिया, नमक और काली मिर्च पाउडर मिला दें। पनीर की छोटी-छोटी बॉल्स बना लें और केले की स्लाइस से लपेटकर उनमें लौंग लगा दें, ताकि ये खुलें नहीं। अब इन पनीर रोल्स को पैन में एक चम्मच तेल डालकर दोनों तरफ़ से सुनहरा होने तक शैलो फ्राय करें। सलाद बनाने के लिए कद्दूकस की हुई गाजर में नमक, काली मिर्च पाउडर, तिल और ऑलिव ऑइल मिलाएं। प्लेट में गाजर का सलाद और पनीर-केला रोल्स रखकर परोसें।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से तीन रूसी अंतरिक्ष यात्री सकुशल वापस आये

मॉस्को। एक अभियान के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर गये तीन रूसी अंतरिक्ष यात्री बृहस्पतिवार को सकुशल वापस आ गये। 'द सोयुज एमएस-21' नामक अंतरिक्ष यान आलेग आर्तेमयेव, डेनिस मातवेयेव और सेर्जेय कोर्साकोव को लेकर स्थानीय समय अपराह्न चार बजकर 57 मिनट (1057 जीएमटी) पर जमीन पर उतरा। यह झेजकाजगन शहर से 150 किलोमीटर दूर कजाकिस्तान केस्टेपीज घास के मैदान में उतरा। तीनों अंतरिक्ष यात्री स्टेशन पर गत मार्च में गये थे। आर्तेमयेव के लिए यह उनका तीसरा अंतरिक्ष अभियान था और वह अब तक अंतरिक्ष में कुल 561 दिन बिता चुके हैं। मातवेयेव और कोर्साकोव के लिए यह पहला अंतरिक्ष अभियान था और दोनों ने अंतरिक्ष स्टेशन पर 195 दिन बिताये। जब सोयुज कैप्शूल साफ आकाश में एक बड़े और लाल-सफेद धारीदार पैराशूट के जरिये उतर रहा था, तब आर्तेमयेव ने अभियान से जुड़े नियंत्रण कक्ष को बताया कि सभी सदस्य अच्छा महसूस कर रहे हैं।

यूरोप में यौन रोग सिफलिस का कहर, पोर्न सितारों में दहशत, फिल्मों में काम किया बंद

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन सहित पूरा यूरोप इन दिनों एक प्रकार के यौन रोग के कहर से जूझ रहा है जिसके चलते एडल्ट फिल्म अभिनेताओं में दहशत व्याप्त है जिसके चलते इन सितारों ने पोर्न फिल्मों में काम करना बंद कर दिया है। एक बीमारी है जो कि सेक्शुअली ट्रांसमिट होती है। सिफलिस नाम की इस बीमारी का संक्रमण तेज हो रहा है। इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक यूके में एडल्ट फिल्म ऐक्टर एक यूनियन बनाना चाहते हैं। अमेरिका में एडल्ट ऐक्टर्स के सेक्शुअल हेल्थ का डेटाबेस उपलब्ध करवाने वाली संस्था बीएएसएस ने कहा है कि कई लोग सिफलिस से संक्रमित पाए गए हैं जो कि एक खतरा बना हुआ है। सिफलिस एक बैक्टीरियल इन्फेक्शन है जो कि शारीरिक संबंधों के जरिए फैलता है। बैक्टीरिया का नाम ट्रैपोनेमा पैलिडम है। इसकी शुरुआत खुजली से होती है। हालांकि यह भयंकर रूप भी ले सकता है। इससे आंतरिक अंगों को नुकसान पहुंच सकता है। अगर किसी गर्भवती महिला को यह संक्रमण होता है तो बच्चा मरा हुआ भी पैदा हो सकता है। संक्रमित इंजेक्शन से भी इस संक्रमण की संभावना रहती है। एक एडल्ट ऐक्टर लियान यंग ने कहा, प्रोफेशनल पोर्न ऐक्टरों ने पिछले कुछ दिनों से काम बंद कर दिया है क्योंकि उन्हें सिफिलिस का चिंता है। उन्होंने कहा, जो बड़े ऐक्टर हैं वो ज्यादा चिंतित हैं। उन्हें बहुत नुकसान भी हो रहा है। यूरोप में इस बीमारी का अलर्ट है। कई फिल्मों की शूटिंग रोक दी गई है। ऐसे में प्रोड्यूसर और ऐक्टर दोनों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

चीन ने कहा कि पाकिस्तान के कराची में मारा गया व्यक्ति उसका नागरिक नहीं

बीजिंग। चीन ने कहा है कि बुधवार को पाकिस्तान के कराची में मारा गया व्यक्ति उसका नागरिक नहीं है। उसने बृहस्पतिवार को इस रिपोर्ट का भी खंडन किया कि यह पाकिस्तान में चीनी नागरिकों को निशाना बनाकर किया गया एक और हमला हो सकता है। यहां संवाददाता सम्मेलन में यह पूछे जाने पर कि क्या यह चीनी नागरिकों के खिलाफ आतंकवादी हमला था, चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, ''हम प्रासंगिक घटना के पीड़ितों के लिए संवेदना व्यक्त करते हैं। मेरा मानना है कि संबंधित व्यक्ति चीनी नागरिक नहीं है।'' पाकिस्तान अधिकारियों ने बुधवार को कहा था कि कराची शहर में बुधवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक दंत चिकित्सालय के अंदर गोलीबारी की, जिसमें एक चीनी नागरिक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), (दक्षिण) असद रजा ने बताया था कि हमलावर मरीज बनकर कराची के सदर इलाके में स्थित क्लीनिक में घुसे और दंत चिकित्सक के कक्ष में पहुंचकर गोलीबारी शुरू कर दी। गौरतलब है कि अप्रैल में, अलगाववादी बलूच लिबरेशन आर्मी द्वारा कराची विश्वविद्यालय में किए गए एक आत्मघाती विस्फोट में तीन चीनी नागरिक मारे गए थे। जुलाई 2021 में, कराची के परमाणु ऊर्जा संयंत्र में चीन के दो श्रमिकों को ले जा रहे एक वाहन पर बंदूकधारियों ने गोलीबारी की थी, जिसमें दोनों घायल हो गए थे।

म्यांमार- देश की नेता सू ची को सैन्य शासन ने फिर दोषी ठहराया, ऑस्ट्रेलियाई अर्थशास्त्री को 3 वर्ष की कैद

बैंकॉक । म्यांमार में प्रजातांत्रिक सरकार की हिमायती नेता आंग सान सू ची को एक कोर्ट ने गुरुवार को एक और आपराधिक मामले में दोषी ठहराया और ऑस्ट्रेलियाई अर्थशास्त्री शॉन टर्नल को गोपनीयता कानून का उल्लंघन करने के मामले में तीन साल जेल कैद की सजा सुनाई। एक विधिक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि गोपनीयता कानून के अंतर्गत सू ची को भी तीन साल जेल की सजा सुनाई गई है। उन्होंने कहा कि सू ची के मंत्रिमंडल के तीन सदस्यों को भी दोषी पाया गया और उन्हें तीन-तीन साल कैद की सजा दी गई है। टर्नल सिडनी के मैक्वायरी विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर हैं और वह सू ची के सलाहकार भी थे। म्यांमार में पिछले साल सेना ने चुनी हुई सरकार का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली थी। टर्नल को पांच दिन बाद गिरफ्तार किया गया था जब वह हवाई अड्डे जाने के लिए कार का इंतजार कर रहे थे। टर्नल पर आरोप के मामले की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है हालांकि, सरकारी टीवी चैनल ने पिछले साल बताया था कि टर्नल के पास देश की वित्तीय प्रणाली की गोपनीय जानकारी थी और वह उसे लेकर म्यांमार से भागने वाले थे। टर्नल और सू ची ने इन आरोपों का खंडन किया है। सू ची पर तमाम अन्य आरोप हैं और उन्हें 20 साल के लिए जेल की सजा सुनाई जा चुकी है।

साउथ सैंडविच आइलैंड्स में आया 7.0 तीव्रता भूकंप, कोई क्षति नहीं

वॉशिंगटन । साउथ सैंडविच आइलैंड्स में 7.0 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार दक्षिण सैंडविच द्वीप समूह में गुरुवार सुबह करीब 8:33 बजे 7.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की गहराई जमीन से 10 किमी नीचे थी। हालांकि, अब तक इसमें किसी जान-माल की नुकसान की खबर नहीं है। वहीं, इससे पहले 24 सितंबर को इंडोनेशिया के उत्तरी प्रांत एकेह में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। हालांकि, इससे किसी नुकसान की खबर नहीं आई थी। अमेरिकी भू विज्ञान सर्वेक्षण ने बताया कि रिक्टर पैमाने पर शनिवार को आए भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई और इसका केंद्र एकेह प्रांत के तटीय शहर मिउलाबोह से 40 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में सतह से 49 किलोमीटर नीचे था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तड़के आए भूकंप के चलते लोग अपने घरों से बाहर भागते दिखे थे, लेकिन बाद में उन्हें संदेश मिला कि सुनामी की चेतावनी नहीं दी गई है।गौतरलब है कि वर्ष 2004 में एकेह प्रांत के अपतटीय क्षेत्र में आए शक्तिशाली भूकंप की वजह से कई देशों में सुनामी आई थी और करीब 2,30,000 लोगों की जान गई थी।

कुर्दिस्तान में आईआरजीसी ने किया हमला, 13 की मौत, 58 घायल

इराक (ईएमएस)। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इराक के उत्तर-पूर्व कुर्दिस्तान क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है। हमलों में 13 लोगों की मौत हो गई और 58 घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार मिसाइलों और आत्मघाती ड्रोन के साथ इराकी कुर्दिस्तान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स हमला किया गया। ब्रिटेन स्थित एक फारसी समाचार के अनुसार एक अमेरिकी नागरिक उमर महमूदज़ादेह हमलों में मारा गया था। आईआरजीसी का कहना है ?कि वह कोमाला पार्टी और कुर्दिस्तान फ्रीडम पार्टी का नाम लेते हुए अलगाववादी आतंकवादी समूहों के खिलाफ हमले शुरू कर रहा था। आईआरजीसी ने कहा कि यह तब तक समूहों के खिलाफ अभियान जारी रखेगा जब तक कि खतरे को खदेड़ नहीं दिया जाता है और आतंकवादी समूहों के मुख्यालय को हमला कर समाप्त नहीं ?किया जाता है। आईआरजीसी के एक डिप्टी कमांडर ने बताया कि इराकी कुर्दिस्तान के खिलाफ हमले के खिलाफ किए गए थे। जिन्होंने अशांति और असुरक्षा पैदा करने के लिए देश पर हमला किया और घुसपैठ की। नीलफोरौशन ने दावा किया कि हाल के दिनों में ईरान में व्यापक विरोध प्रदर्शनों में इराकी कुर्दिस्तान के समूहों ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसने एरबिल के उद्देश्य से एक ईरानी ड्रोन को मार गिराया। हमलों में कोई भी अमेरिकी सैनिक घायल या मारा नहीं गया है। अमेरिकी उपकरणों को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

सउदी अरब में मैरीटाइम क्रांग्रेस के दौरान कई प्रकार के समुद्री जहाजों के मॉडल देखते हुए लोग।

मनमोहन जैसे नहीं हैं मोदी, पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने माना- भारत बदल गया है

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान और अमेरिका के संबंध अब भारत या अफगानिस्तान से नहीं जुड़े हैं। भुट्टो इस समय दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में हैं। बिलावल ने वाशिंगटन डीसी स्थित थिंक-टैंक, वुडरो विल्सन सेंटर में कहा न केवल मैं वर्तमान में हैरान हूं, बल्कि पाकिस्तान के प्रति अमेरिका की नई विदेश नीति के दृष्टिकोण से बिल्कुल प्रभावित हूं। हमारी (पाक-अमेरिका) बातचीत में यह भावना भी बढ़ी है। भुट्टो ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला भी करते हुए कहाकि भारत 2010 से बहुत बदल गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने माना है कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत बदल गया है। अमेरिका के भारत के साथ रिश्ते सुधारने की सलाह के बाद बिलावल ने एक कार्यक्रम में 2010 के यूपीए सरकार का जिक्र करते हुए बिलावल ने कहा कि वह पीएम मोदी के तहत मौजूदा सरकार के विपरीत पाकिस्तान के साथ जुड़ने को तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तर्कसंगत संबंध अब मौजूद नहीं हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक इस्लामाबाद आतंक पर कार्रवाई नहीं करता, तब तक भारत के पड़ोसी के साथ कोई बातचीत नहीं हो सकती है।

कोरियाई प्रायद्वीप को विभाजित करने वाले असैन्यीकृत क्षेत्र पहुंची कमला हैरिस

पैनमुंजोम। (एजेंसी)।

अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस अपनी एशिया यात्रा के दौरान कोरियाई प्रायद्वीप को विभाजित करने वाले असैन्यीकृत क्षेत्र (डीएमजेड) पहुंची और उन्होंने उत्तर कोरिया के बढ़ते शत्रुतापूर्ण माहौल में अपने एशियाई सहयोगियों की सुरक्षा के लिए अमेरिकी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। डीएमजेड में, दक्षिण कोरियाई अधिकारी ने हैरिस को अपने देश की तरफ स्थित सैन्य प्रतिष्ठानों के बारे में बताया। फिर एक अमेरिकी अधिकारी ने सैन्य सीमांकन रेखा के पास मौजूद कुछ रक्षा प्रतिष्ठानों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अमेरिकी सैनिक इस रास्ते के आसपास नियमित रूप से गश्त करते हैं।

इसके बाद हैरिस ने सीमा के पास नीले रंग की इमारतों का दौरा किया, जहां एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि कैसे इन इमारतों का उपयोग अभी भी उत्तर कोरिया के साथ वार्ता करने के लिए किया जाता है। इस दौरान हैरिस ने उत्तर कोरियाई मिसाइल परीक्षणों को उकसावा करार दिया, जिसका मकसद 'क्षेत्र को अस्थिर करना' है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया उत्तर के 'पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण' के लिए प्रतिबद्ध हैं। हैरिस ने कहा, 'मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकती कि कोरिया गणराज्य की रक्षा के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता बिल्कुल स्पष्ट है।' अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टर में सवार होकर सीमा क्षेत्र से जाने से पहले हैरिस ने कहा, 'दक्षिण कोरिया में, हम एक संपन्न लोकतंत्र देखते हैं। उत्तर कोरिया में, हमने बर्बर तानाशाही देखी है।' डीएमजेड जाने से पहले हैरिस ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक से उनके सियोल स्थित कार्यालय में मुलाकात की और दोनों देशों के बीच संबंधों की सराहना की।

मई में राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने वाले सुक ने हैरिस की यात्रा को दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक ''महत्वपूर्ण कदम'' बताया। हैरिस के दक्षिण कोरिया पहुंचने से पहले उत्तर कोरिया ने बुधवार को दो कम दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया था और उसके परमाणु परीक्षण करने का खतरा भी मंडरा रहा है। हैरिस इससे पहले तीन दिन की जापान यात्रा पर थीं।

तोक्यो में उन्होंने उत्तर कोरिया के ''अवैध हथियार कार्यक्रम'' की निंदा की थी। हैरिस ने तोक्यो में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के राजकीय अंतिम संस्कार में भी हिस्सा लिया था। इससे पहले वाशिंगटन में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां पियरे ने कहा था, नए मिसाइल परीक्षण हैरिस को डीएमजेड जाने से नहीं रोक पाएंगे और वह क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए अमेरिका की ''कड़ी प्रतिबद्धता'' दिखाने के लिए वहां जाना चाहती हैं।

सीपीसी की अहम कांग्रेस से पहले चीन का एक और शीर्ष अधिकारी भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की अगले महीने होने वाली महत्वपूर्ण कांग्रेस से पहले इसके शीर्ष अधिकारियों पर कार्रवाई का दौर चल रहा है और बृहस्पतिवार को एक और अधिकारी को भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी करार दिया गया। अगले महीने होने वाली कांग्रेस में राष्ट्रपति शी चिनफिंग को अभूतपूर्व तीसरे कार्यकाल के लिए चुना जा सकता है। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र की प्रांतीय सरकार के पूर्व उपाध्यक्ष झांग योंगजे को रिश्वत लेने के आरोप में दोषी करार दिया गया है। दोषारोपण के अनुसार झांग ने अपने पूर्व पदों का लाभ उठाते हुए परियोजनाओं की ठेकेदारी और लोगों की पदोन्नति समेत विभिन्न क्षेत्रों में दूसरे लोगों को फायदे पहुंचाने का प्रयास किया और बदले में उनसे कथित रूप से भारी-भरकम रिश्वत ली।

नेशनल कमीशन ऑफ सुपरवीजन ने झांग के मामले में अपनी जांच पूरी कर ली है और शियान की एक अदालत में उनके खिलाफ अभियोजन शुरू किया है। इससे पहले राज्य सुरक्षा मंत्रालय की पार्टी के केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग की शाखा के प्रमुख लियु यानपिंग को बुधवार को रिश्वतखोरी के आरोपों में दोषी करार दिया गया था। पिछले कुछ दिन में तीन सुरक्षा अधिकारियों को भ्रष्टाचार के आरोपों में मौत की सजा सुनाई गयी हालांकि उन्हें दो साल की राहत दी गयी। 16 अक्टूबर को होने वाली सीपीसी की कांग्रेस से पहले अधिकारियों को सजा देने के आकस्मिक सिलसिले ने सभी को चौंका दिया है। पांच साल में एक बार होने वाली इस कांग्रेस में 69 वर्षीय चिनफिंग को तीसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने की संभावना है।

चीन के साथ आपसी संवेदनशीलता, सम्मान, परस्पर हित पर बने रिश्ते के लिए भारत प्रयासरत : जयशंकर

वाशिंगटन (एजेंसी)।

सामरिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य उपस्थिति के बीच भारत और अमेरिका के हिंद-प्रशांत की बेहतरी के लिए एक साझा दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत, चीन के साथ ऐसे संबंध बनाने का प्रयास करता है जो आपसी संवेदनशीलता, सम्मान व परस्पर हित पर आधारित हों। चीन का सामरिक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कई देशों के साथ क्षेत्रीय विवाद है और वह विशेष रूप से विवादित दक्षिण चीन सागर में अमेरिका की सक्रिय नीति का विरोध करता रहा है। जयशंकर ने बुधवार को यहां भारतीय पत्रकारों के एक समूह से कहा, ''हम चीन के साथ लगातार रिश्तों में सुधार के लिए प्रयासरत हैं। ऐसा रिश्ता जो आपसी संवेदनशीलता, सम्मान और आपसी हित पर बना हो।'' चीन से निपटने को लेकर भारत और अमेरिका की योजना पर किए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दोनों देश हिंद-प्रशांत की बेहतरी व उसे मजबूत बनाने के साझा उद्देश्य रखते हैं। उन्होंने कहा, ''जहां भारतीय और अमेरिकी हित की बात आती है, तो मुझे लगता है, यह हिंद-प्रशांत की स्थिरता, सुरक्षा प्रगति, समृद्धि व विकास पर आधारित है। यहां तक ??कि यूक्रेन के मामले में भी क्योंकि यह युद्ध लंबे समय से लड़ा जा रहा है और वास्तव में यह लोगों के दैनिक जीवन व दुनियाभर में अशांति उत्पन्न कर सकता है।'' जयशंकर ने कहा कि दुनिया बदल गई है और हर कोई इस बात की सराहना करता है कि कोई भी देश खुद अकेले अंतरराष्ट्रीय शांति और आम लोगों की भलाई की जिम्मेदारी या बोझ नहीं उठा सकता है।

ईरान में हिजाब के खिलाफ प्रदर्शन और तेज, राष्ट्रपति रईसी हुए सख्त, कहा- किसी को कानून का उल्लंघन नहीं करने दिया जाएगा

तेहरान (एजेंसी)।

ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने कहा कि हिरासत में एक युवती की मौत ने इस्लामिक गणराज्य में सभी को ÷दुखी÷ किया है। इसके साथ ही रईसी ने चेतावनी देते हुए कहा कि महसा अमिनी की मौत पर हिंसक विरोध फैलाने के बीच ÷अराजकता÷ को स्वीकार नहीं किया जाएगा। दो हफ्ते पहले अमिनी की मौत ने पूरे ईरान में सरकार विरोधी विरोध प्रदर्शनों को हवा दे दी है। रईसी ने स्टेट टीवी के साथ एक साक्षात्कार में कहा हम सभी इस दुखद घटना से दुखी हैं ... (हालांकि) अराजकता अस्वीकार्य है। ईरान के राष्ट्रपति ने इस आंदोलन को लेकर अमेरिका पर आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश के दुश्मन हमारी एकता को खत्म करना चाहते हैं और आपस में लड़ाकर अपने मंसूबों को कामयाब करने में लगे हैं।

ईरान की सरकार प्रदर्शन को गोली, डंडे और आंसू गैस के बल पर दबाने की कोशिश कर रही है। वहीं सोशल मीडिया वीडियो में ईरानियों को ÷तानाशाह की मौत÷ के नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन करते हुए नजर आ रहे हैं। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि फिर भी इस्लामिक गणराज्य का पतन निकट भविष्य में दूर की कौड़ी लगता है क्योंकि इसके नेता उस तरह की कमजोरी नहीं दिखाने के लिए दृढ़ हैं। 22 साल की महिसा अमीनी की मौत से चिंगारी भड़क की। अब उसकी आंच ईरान की सत्ता तक महसूस की जा रही है।

ईरान के प्रशासन की तरफ से कहा गया कि अमीनी की मौत किसी अत्याचार की वजह से नहीं बल्कि हार्ट अटैक से हुई थी। ईरान के विदेश मंत्री अमीर अबदुल्लाहियान ने यूएन की बैठक में कहा कि इस तरह का प्रदर्शन कोई बड़ी बात नहीं है। इसके बाद उन्होंने एक रेडियो चैनल पर कहा कि ईरान में सत्ता परिवर्तन नहीं होने वाला है। ईरान के लोगों की भावनाओं के साथ किसी को नहीं खेलना चाहिए।

इमरान खान का ऑडियो लीक, अपने प्रधान सचिव के साथ विदेशी साजिश पर कर रहे हैं चर्चा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का एक कथित ऑडियो सामने आया है जिसमें वह इस बारे में बात कर रहे हैं कि अप्रैल में उनकी सरकार गिराने को साजिश के रूप से चित्रित करने के लिए विवादित 'साइफर' (गूढ़लेख) का फायदा कैसे उठाया जाए। सोशल मीडिया पर आए ऑडियो क्लिप में इमरान और उनके तत्कालीन प्रधान सचिव आज़म खान के बीच बातचीत हो रही है। वे वाशिंगटन में पाकिस्तान के राजदूत की एक अमेरिकी की अधिकारी के साथ मुलाकात को लेकर उनके द्वारा भेजे गए, सांकेतिक में लिखे 'साइफर' के बारे में बात कर रहे हैं।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख खान की सरकार अप्रैल में संसद में अविश्वास प्रस्ताव हारने से गिर गई थी। खान ने इस 'साइफर' का हवाला देकर आरोप लगाया था कि उनकी सरकार गिराने के लिए अमेरिका की अगुवाई में साजिश रची गई थी, क्योंकि उन्होंने रूस, चीन और अफगानिस्तान के मामले में स्वतंत्र विदेश नीति के तहत फैसले किए। हालांकि अमेरिका ने इस आरोप से इनकार किया है। लीक ऑडियो में इमरान खान को यह कहते सुना जा सकता है, 'हमें सिर्फ इसी (साइफर) पर खेलना है। हमें (किसी भी देश का) नाम लेने की ज़रूरत नहीं है। हमें बस इसके साथ खेलना है, कि (अविश्वास प्रस्ताव की) यह तारीख पहले (से तय) थी।'

दूसरी आवाज़ ज़ाहिर तौर पर आज़म खान की है जो 'साइफर' पर बैठक बुलाने की सलाह दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'देखिए, यदि आपको याद हो, तो उसमें राजदूत ने अंत में आपत्तिपत्र (भेजने) के लिए लिखा है। भले ही आपत्तिपत्र नहीं भेजा जाना है।' आज़म खान ने कहा, 'शाह महमूद कुरैशी (इमरान की सरकार में विदेश मंत्री) और विदेश सचिव के साथ बैठक करते हैं। शाह महमूद कुरैशी उस पत्र को पढ़ेंगे और जो कुछ भी वह पढ़ेंगे उसे एक प्रति में बदल दिया जाएगा। फिर मैं (इससे) मिनट (लिखित ब्यौरा) तैयार करूंगा कि विदेश सचिव ने इसे तैयार किया है।'

पूर्व प्रधान सचिव ने कहा, 'लेकिन इसका (साइफर का) यही विश्लेषण होना चाहिए। हम इसका विश्लेषण करेंगे और उसका ब्यौरा तैयार करेंगे, क्योंकि हम चाहते हैं कि यह आधिकारिक रिकॉर्ड बन जाए।' वह बताते हैं कि विश्लेषण का यह निष्कर्ष निकालेगा कि यह एक धमकी है। इसे कूटनीतिक में धमकी कहा जाता है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने औपचारिक रूप से, ऑडियो लीक पर प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन जब पत्रकारों ने इमरान खान से पूछा कि 'साइफर' से खेलने का उनका क्या मतलब है, तब उन्होंने कहा, मैंने अभी तक खेलना शुरू नहीं किया है। उन्होंने कहा कि 'साइफर' के मसले की उचित तरीके से जांच की जानी चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

हरियाणा 10,000 एकड़ क्षेत्र में विकसित करेगा दुनिया का सबसे बड़ा जंगल सफारी पार्क

चंडीगढ़। हरियाणा अरावली क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा जंगल सफारी पार्क (वन उद्यान) विकसित करेगा। राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि यह सफारी पार्क गुरूग्राम और नूंह जिलों के 10,000 एकड़ क्षेत्र में फैला होगा। उसने कहा, '' यह परियोजना दुनिया में ऐसी सबसे बड़ी परियोजना होगी।'' फिलहाल अफ्रीका के बाहर शारजाह में सबसे बड़ा सफारी पार्क है। यह करीब 2,000 एकड़ क्षेत्र में फैला है और उसका उद्घाटन फरवरी, 2022 में हुआ था। सरकार ने बयान में कहा, '' प्रस्तावित अरावली पार्क आकार में इससे पांच गुणा से भी अधिक होगा और उसमें सरीसृप एवं उभयचर प्राणियों के स्थल, पक्षी पार्क, बाघ श्रेणी के प्राणियों के चार क्षेत्र, शाकाहार प्राणियों का विशाल क्षेत्र, जलीय जीव-जंतुओं का क्षेत्र, आंगुतक एवं पर्यटन क्षेत्र, प्राणी उद्यान, बायोमास, आदि होंगे। '' राज्य सरकार ने कहा कि केंद्रीय वन एवं पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर इस सिलसिले में शारजाह सफारी देखने गये थे। खट्टर बुधवार को एक दिवसीय यात्रा पर दुबई पहुंचे थे। बृहस्पतिवार को लौटने के बाद खट्टर ने कहा कि हरियाणा के एनसीआर क्षेत्र में जंगल सफारी के विकास की प्रचुर संभावना है। उन्होंने कहा कि जंगल सफारी योजना न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगी बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार का अवसर भी उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा, ''हरियाणा में जंगल सफारी परियोजना पर्यावरण , वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रायल तथा हरियाणा सरकार की संयुक्त परियोजना होगी। केंद्र सरकार परियोजना के लिए हरियाणा को धन उपलब्ध कराएगी।

दोहरे धमाकों के विरोध में जम्मू और उधमपुर में पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन

जम्मू। दोहरे बम धमाकों के बाद जम्मू और उधमपुर जिलों में लोगों ने पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया तथा राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अन्य सड़कें जाम कर दीं। सूत्रों ने बताया कि जम्मू कश्मीर के उधमपुर में संदिग्ध आतंकवादियों ने बृहस्पतिवार को सुबह एक स्टैंड में खड़ी बस में आईईडी विस्फोट किया। उसके नौ घंटे के अंदर दूसरा धमाका हुआ। सुरक्षा एजेंसियों ने 'हाई अलर्ट' घोषित कर दिया है। उधमपुर में तीन स्थानों पर लोग सड़कों पर आ गये और उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने पाकिस्तान का पुतला फूंका और पाकिस्तान विरोधी नारे लगाये। प्रदर्शनकारियों ने डर का माहौल पैदा करने के आतंकवादियों के नापाक मंसूबे को विफल करने करने के लिए शहर और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। उन्होंने नवरात्र के दौरान और चार अक्टूबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की प्रस्तावित यात्रा से पूर्व अभेद्य सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाने को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की निंदा की। जम्मू शहर में शिवसेना, बजरंग दल और डोगरा फ्रंट ने पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया और विस्फोट करने वालों को बेनकाब करने एवं उनका सफाया करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान-विरोधी नारे लगाये और रैलियां निकालीं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जी ए मीर ने भी इन दोनों धमाकों की कड़ी निंदा की और इसे स्तब्धकारी एवं अत्यंत शर्मनाक करार दिया।

अलीगढ़- मीट फैक्ट्री में जहरीली गैस रिसने से 100 से अधिक कर्मचारी हुए बीमार

अलीगढ़ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक मीट फैक्ट्री में जहरीली गैस के रिसाने के बाद हड़कंप मच गया। फैक्ट्री में कार्यरत कर्मचारियों में 100 से अधिक लोगों के बीमार होने की खबर है। घटना के बाद फैक्ट्री में काम कर रहे मजदूरों को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया है। प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। जहरीली गैस के रिसाव के कारणों क जांच की जा रही है। मीट फैक्ट्री हादसे में महिला कर्मचारियों के भी बीमार होने की बात कही जा रही है। पूरी घटना अल दुआ मीट फैक्ट्री की बताई जा रही है। अल दुआ मीट फैक्ट्री में गुरुवार को बड़ी घटना सामने आई। अचानक फैक्ट्री में काम कर रहे कर्मचारी गिरने लगे। अधिकारियों ने इस संबंध में जांच शुरू की तो जहरीली गैस के रिसाव का मामला सामने आया। तत्काल एंबुलेंस को कॉल किया गया। हालांकि, इस हादसे में 100 से अधिक लोगों के बीमार होने की बात कही जा रही है। बीमारों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से बीमार कर्मचारियों को जेएम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वहां उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। मीट फैक्ट्री संचालक पर इस मामले में गंभीर आरोप लगा है। दावा किया जा रहा है कि मीट फैक्ट्री संचालक ने जहरीली गैस रिसाव मामले को पहले दबाने की कोशिश की। कर्मचारियों से इस मामले में चुप रहने को कहा। लेकिन, जैसे ही इस घटना के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर चलने शुरू हुए तो घटना की जानकारी प्रशासन को मिली। आनन-फानन में प्रशासन की टीम मीट फैक्ट्री तक पहुंची। पूरी घटना का जायजा लिया गया। पुलिस की टीम ने मीट फैक्ट्री से बीमार कर्मचारियों को अस्पताल भेजना शुरू किया। अलीगढ़ के डीएम इंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि अल दुआ मीट फैक्ट्री में पैकेजिंग का काम होता है। वहां महिलाएं मुख्य रूप से पैकिंग का काम करती हैं। अमोनिया गैस लीक होने की वहां सूचना मिली है। कुछ लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने पर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है। डीएम ने इस पूरे मामले पर नजर बनाए रखने की बात कही है। साथ ही, इस पूरी घटना की जांच की भी बात कही जा रही है। अल दुआ मीट फैक्ट्री में बीमार हुए कर्मचारियों को जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। वहां सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है। मीट फैक्ट्री के मालिक हाजी जहीर पर इस मामले को छुपाने का आरोप लग रहा है। अधिकारियों ने जेएन मेडिकल कॉलेज में 50 से अधिक मीट फैक्ट्री कमियों के इलाज कराए जाने की बात कही है।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के कर्नाटक में प्रवेश से पहले राहुल के स्वागत में लगे पोस्टर फटे

बेंगलुरु । आमजन में जनाधार बढ़ाने के लिए कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा केरल के बाद कर्नाटक में प्रवेश करने वाली है। शुक्रवार 30 सितंबर को कर्नाटक पड़ाव की शुरुआत करेगी। इसी बीच खबर है कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के स्वागत में लगे पोस्टर फट गए हैं। हालांकि, ऐसा किसने और क्यों किया, यह अभी तक साफ नहीं है। लेकिन कांग्रेस नेता भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर सवाल उठा रहे हैं। राज्य के गुंडलपेट इलाके में राहुल के स्वागत में पोस्टर लगाए गए थे। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया समेत राज्य के बड़े नेताओं के अलावा अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई नेताओं की तस्वीरें थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यात्रा का स्वागत करने के लिए लगाए गए 40 से ज्यादा पोस्टर फट गए हैं। 7 सितंबर से शुरू हुई कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं की पदयात्रा को 22 दिन हो चुके हैं। केरल में करीब 450 किमी का सफर तय करने के बाद यात्रा कर्नाटक में चामराजनगर जिले के जरिए कर्नाटक में प्रवेश करेगी। कांग्रेस नेता कन्याकुमारी से जम्मू-कश्मीर तक यात्रा निकालेंगे। भाजपा शासित कर्नाटक में साल 2023 में विधानसभा चुनाव होने हैं और कांग्रेस सत्ता में वापसी की कोशिश में जुटी हुई है। जानकारों का कहना है कि यात्रा के जरिए कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर और कर्नाटक में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की तैयारी कर रही है। बताते हैं कि कांग्रेस को मजबूत विपक्ष के रूप में तैयार होने के लिहाज से भी यात्रा काफी अहम है। राज्य में सिद्धारमैया और पार्टी प्रमुख डीके शिवकुमार के बीच तनातनी की खबरें आती रही हैं। राहुल भी वरिष्ठ नेता के जन्मदिन के मौके पर पहुंचकर दोनों नेताओं को गले मिला चुके हैं। अब इस यात्रा के जरिए सिद्धारमैया और शिवकुमार राहुल के सामने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन भी कर सकते हैं। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री अभी तक यात्रा से गायब रहे हैं। जबकि, शिवकुमार यात्रा में नजर आते रहे।

बच्ची को गोद में उठाकर दुलारते राहुल गांधी बोले- 'ऐसे पल के लिए तो 1000 मील चल सकता हूं'

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों कन्याकुमारी से शुरू होकर कश्मीर तक जाने वाली 'भारत जोड़ों यात्रा' कर रहे है। राहुल पदयात्रा के दौरान यहां केरल में एक छोटी बच्ची से मुलाकात की अपनी एक बहुत प्यारी तस्वीर ट्वीट की है, जिसमें वह बच्ची को गोद में उठाए हुए हैं और उसके रिएक्शन पर मुस्कुरा रहे हैं। उन्होंने इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा है, 'मैं इस तरह के पलों के लिए 1000 मील भी चल सकता हूं।' यात्रा के माध्यम से, जो 2024 के आम चुनावों से पहले कांग्रेस द्वारा जनता का समर्थन हासिल करने का एक प्रयास है, पार्टी राहुल गांधी को लोगों के नेता के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है।

राहुल गांधी ने 8 सितंबर को तमिलनाडु से भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी। तबसे विभिन्न शहरों में पदयात्रा के दौरान बच्चों के साथ बातचीत करते हुए 52 वर्षीय इस नेता की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रही हैं। कल कांग्रेस नेता से मुलाकात को लेकर उत्साहित एक लड़की का वीडियो वायरल हुआ था। मार्च के दौरान राहुल गांधी के साथ शामिल होने की अनुमति मिलने के बाद उसे खुशी के आंसू बहाते हुए देखा गया था। कांग्रेस के भारत जोड़ो ट्विटर हैंडल ने इस वीडियो को शेयर किया है, जिसके साथ लिखा है, 'किसी कैप्शन की जरूरत नहीं है। सिर्फ प्यार।'

कुछ दिन पहले राहुल गांधी की इस यात्रा के दौरान एक और वायरल मोमेंट आया था, जब उन्हें केरल में स्कूली छात्राओं के एक समूह द्वारा कोरियाई पॉप, या के-पॉप, और वैश्विक सनसनी बीटीएस से इंट्रोड्यूस कराया गया था। राहुल गांधी ने इस मुलाकात का एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा था, 'इन अविश्वसनीय लड़कियों के साथ एक सुखद बातचीत रही, जो केरल की बीटीएस आर्मी हैं!' कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 150 दिन की है। इस दौरान राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक 3,570 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। यात्रा जिन राज्यों से होकर गुजरेगी, वहां के विभिन्न शहरों व कस्बों में राहुल गांधी कुछ किलोमीटर की पदयात्राएं भी करेंगे, जैसा कि वह तमिलनाडु के बाद अब केरल में कर रहे हैं।

यह यात्रा कांग्रेस के भीतर नए अध्यक्ष की तलाश के लिए चल रहे संघर्ष की पृष्ठभूमि में हो रही है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वफादार विधायकों के बगावत करने के बाद पिछले हफ्ते पार्टी के भीतर नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला। विधायकों ने कहा कि अगर गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाते हैं तो वे उनके चिर प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार नहीं करेंगे। इस घटनाक्रम से गांधी परिवार बहुत नाराज बताया जा रहा है, जबकि गहलोत ने इसमें अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया है। अशोक गहलोत पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी से आज मुलाकात के लिए दिल्ली आए हैं।

भारतीय सेना ने चीन-पाक सीमा पर मुस्तैद की एम777 हॉवित्जर तोपें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय सेनाएं देश की सीमाओं की सुरक्षा को लेकर काफी गंभीर है इसी कड़ी में सेना ने उत्तरी सीमाओं पर एम777 अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर तोप की तैनाती कर दी है। इससे पहले इसकी तैनाती अरुणाचल प्रदेश में चीन की सीमाओं के पास की गई थी। इन तोपों की तैनाती से अब पड़ोसी दुश्मन देशों से भारतीय क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ जाएगी। यह जानकारी भारतीय सेना ने अपने ट्विटर हैंडल पर दी है।

उत्तरी सीमाओं के आसपास हिमालय के ऊंचे पहाड़ हैं। वहां पर सेना बड़े टैंक्स या आर्टिलरी नहीं पहुंचा सकती। इसलिए एम-777 हॉवित्जर को चिनूक हेलिकॉप्टर से पहुंचाया गया है। इन तोपों को किसी वाहन से खींचकर भी पहुंचाया जा सकता है। लेकिन एक सीमा तक ही। उसके बाद इसे हेलिकॉप्टर से उठाकर किसी भी जगह पहुंचा सकते हैं। क्योंकि इनका वजन कम होता है।

इस तोप को अमेरिका की बीएई सिस्टम बनाती है। लेकिन इसकी असेंबलिंग भारत में ही एक निजी रक्षा कंपनी करती है। 155 एमएम अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर का उपयोग इससे पहले अफगानिस्तान, इराक और सीरिया जैसे युद्धों में अमेरिका अच्छे से कर चुका है। भारतीय सेना के पास ऐसी 110 तोपें हैं। 145 और तोपों को खरीदने का डील हुआ पड़ा है। इसे आठ लोग मिलकर चलाते हैं। एक मिनट में 7 गोले दागता है। गोले की रेंज अलग-अलग कोण पर 24 से 40 किमी है। गोला एक किलोमीटर प्रति सेकेंड की गति से दुश्मन की ओर बढ़ता है।

इससे पहले एम-777 हॉवित्जर की तैनाती लद्दाख के कुछ स्ट्रैटेजिक हिस्सों में किया गया था। यह बात तब की है जब चीन से सीमा को लेकर संघर्ष चल रहा था। क्योंकि इन तोपों को कहीं भी आसानी से तैनात कर सकते हैं। भारतीय सेना फॉरवर्ड पोजिशन पर इन तोपों की तैनाती करके अपनी फायर पावर बढ़ा रही है। इस तोप को दुनिया भर के आधा दर्जन से ज्यादा देश उपयोग कर रहे हैं।

भारत एक अमीर देश है पर गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी से जूझ रही है आबादी: गडकरी

नागपुर। (एजेंसी)।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने और एक समृद्ध देश होने के बावजूद इसकी जनसंख्या गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, जातिवाद, अस्पृश्यता और महंगाई का सामना कर रही है। गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कहा कि देश के भीतर अमीर एवं गरीब के बीच की खाई गहरी हो रही है जिसे पाटने की जरूरत है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा, ''हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हैं और पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं।

हम एक अमीर देश हैं जिसकी आबादी गरीब है। हमारा देश समृद्ध है लेकिन इसकी जनसंख्या गरीब है जो भुखमरी, बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, जातिवाद, अस्पृश्यता और कई अन्य मुद्दों का सामना कर रही है जो समाज की प्रगति के लिए ठीक नहीं हैं।' उन्होंने कहा, 'इस समय समाज के भीतर समाजिक एवं आर्थिक समानता की जरूरत है। समाज के इन दो हिस्सों के बीच फासला बढ़ा है।

आर्थिक विषमता भी सामाजिक असमानता की तरह बढ़ी है।'' उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में काम करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि अमीर एवं गरीब की खाई को पाटने के लिए ऐसे अन्य क्षेत्रों पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने देश के 124 आकांक्षी जिलों के विकास के लिए मिलकर काम करने का आह्वान भी किया।

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी देश के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई: राष्ट्रपति मुर्मू

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि कई क्षेत्रों में भारत के नेतृत्व को अब चुनौती नहीं दी जा सकती और देश ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी देश के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। भारतीय विदेश सेवा (2021 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों के समूह को राष्ट्रपति भवन में संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि भारत की मजबूत स्थिति अन्य कारकों के साथ उसके आर्थिक प्रदर्शन पर आधारित है। राष्ट्रपति ने कहा, '' दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं अभी भी महामारी के प्रभावों से उबरने का प्रयास कर रही हैं, वहीं भारत एक बार फिर उठ खड़ा हुआ और आगे बढ़ने लगा है।'' उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा, '' वास्तव में वैश्विक आर्थिक स्थिति का पटरी पर लौटना एक हद तक भारत पर निर्भर हो गया है। '' मुर्मू ने कहा कि प्रशिक्षु अधिकारियों के लिये यह बहुत रोचक होने जा रहा है क्योंकि वे विदेश सेवा में अपने करियर की शुरूआत ऐसे समय में कर रहे हैं जब भारत विश्व पटल पर नये आत्मविश्वास के साथ उभरा है। राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया भी भारत की ओर देख रही है।

मंजूरी के बिना चल रहे निजी नर्सिंग कॉलेज मामले में अदालत ने सीबीआई जांच के निर्देश दिए

ग्वालियर। (एजेंसी)।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर पीठ ने प्रदेश के 35 निजी नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता और अन्य मुद्दों की सीबीआई से जांच कराने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति रोहित आर्य और न्यायमूर्ति एम आर फड़के की खंडपीठ इन शैक्षणिक संस्थाओं की मान्यता की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। मध्यप्रदेश के अतिरिक्त महाधिवक्ता एम पी एस रघुवंशी ने संवाददाताओं से कहा, '' बुधवार को उच्च न्यायालय की पीठ ने 35 निजी नर्सिंग कॉलेजों के कामकाज की सीबीआई जांच का निर्देश दिया।

इन कॉलेजों को सक्षम अधिकारियों से मान्यता नहीं मिली लेकिन 2019-20 के शैक्षणिक सत्र के लिए गैर कानूनी तौर पर छात्रों को भर्ती कर लिया गया।'' रघुवंशी ने कहा कि इन कॉलेजों ने अपने संस्थानों को सक्षम अधिकारियों से मान्यता दिलाने के लिए पिछले साल उच्च न्यायालय का रुख किया था। उन्होंने बताया कि सुनवाई के दौरान चिकित्सा शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ जितेन शुक्ला, भारतीय नर्सिंग परिषद की सचिव कर्नल डॉ सर्वजीत कौर और सीबीआई के पुलिस उपाधीक्षक दीपक पुरोहित उपस्थित थे। अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा, '' मान्यता न होने के बावजूद 35 कॉलेजों ने छात्रों को प्रवेश दिया। इन संस्थानों में बुनियादी ढांचे की कमी है। सुनवाई के दौरान कॉलेजों के कामकाज में कई अनियमितताएं सामने आई थीं।'' रघुवंशी ने बताया कि मामले की अगली सुनवाई जनवरी में होगी।

विपक्षी एकता में शामिल हो सकती है बसपा, लेकिन एक शर्त पर... मायावती को लेकर रख दी यह मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

2024 चुनाव को लेकर लगातार सियासी उठापटक का दौर देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां विपक्षी एकता की बात की जा रही है तो वहीं दूसरी ओर भाजपा ने पूरी तरीके से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ही चेहरे पर 2024 का चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। विपक्षी एकता को मजबूत करने के लिए नीतीश कुमार, शरद पवार, के चंद्रशेखर राव और ममता बनर्जी के नेता लगातार जुटे हुए हैं। विपक्ष के समक्ष एक बड़ी चुनौती यह है कि आखिर पीएम पद का चेहरा किसे बनाया जाए। सभी नेताओं के पार्टी की ओर से उन्हें पीएम पद का चेहरा कराया जा रहा है। उदाहरण के लिए समाजवादी पार्टी चाहती है कि अखिलेश यादव प्रधानमंत्री बने। तृणमूल चाहती है कि ममता बनर्जी के प्रधानमंत्री बने। जदयू की ओर से लगातार नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री मटेरियल बताया जा रहा है। शरद पवार की पार्टी भी लगातार उन्हें प्रधानमंत्री पद की रेस में आगे देखना चाहती है।

पिछले काफी दिनों से चुप्पी साधे हुए मायावती की पार्टी की ओर से भी विपक्षी एकता को लेकर बयान समय आ गया है। मायावती की पार्टी की ओर से साफ तौर पर कहा गया है कि वह विपक्षी एकता में शामिल हो सकती है। लेकिन इसके लिए उनकी ओर से एक शर्त लगा दिया गया है। पार्टी के प्रवक्ता धर्मवीर चौधरी ने बताया कि अगर विपक्ष मायावती को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करता है तो बसपा तीसरे मोर्चे में शामिल होने को तैयार है। दरअसल, यह बात तो किसी से छिपी नहीं है कि मायावती हमेशा प्रधानमंत्री बनना चाहती हैं। 2019 के चुनाव में जब समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन हुआ था तो भी प्रधानमंत्री पद के चेहरे को लेकर उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि नतीजों उनके पक्ष में आते हैं तो वे जरूर प्रधानमंत्री बनेंगी। ऐसे में ऐसे बसपा की इस मांग को पूरी करना विपक्ष के कई दलों के लिए एक बड़ी चुनौती है।

बसपा से साफ तौर पर कहा गया है कि मायावती के कद का कोई दूसरा नेता नहीं है। कुछ शर्तों के साथ हम विपक्षी एकता में शामिल हो सकते हैं। विपक्षी एकता को लेकर बसपा की ओर से तीसरा मोर्चा कहा जा रहा है। उनकी ओर से कहा जा रहा है कि केंद्र की सरकार बनाने में उत्तर प्रदेश की भूमिका काफी अहम है। बसपा का प्रभाव एक बड़े वर्ग पर है। कांग्रेस को लेकर बसपा की ओर से कहा गया है कि उसका अस्तित्व नहीं रह गया है। वहीं, आज समाजवादी पार्टी के अधिवेशन में अखिलेश यादव के प्रधानमंत्री पद बनने की मांग रखी गई है। अखिलेश यादव ने साफ तौर पर कहा है कि हम भाजपा को सत्ता से हटाना चाहते हैं। यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

यौन उत्पीड़न के मामलों में पीड़ितों की अनिवार्य रूप से एचआईवी जांच करें अस्पताल: दिल्ली महिला आयोग

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने यौन उत्पीड़न के मामलों में पीड़ितों के पहली बार अस्पताल जाने पर उनकी अनिवार्य रूप से एचआईवी जांच करने का सुझाव दिया है। आयोग ने पाया है कि कई अस्पताल यौन उत्पीड़न के सभी मामलों में पीड़ितों की एचआईवी जांच नहीं कर रहे हैं, जिसके मद्देनजर यह सुझाव दिया गया है। डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग को एक नोटिस जारी कर पीड़ितों और अभियुक्तों की एचआईवी जांच किए जाने के मामलों की संख्या और पीड़ितों में एचआईवी के संचरण को रोकने के लिए अपनाए जा रहे कदमों व मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के बारे में जानकारी मांगी थी।

आयोग ने कहा कि प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, यह देखा गया है कि कई अस्पताल यौन उत्पीड़न के मामलों में सभी पीड़ितों की एचआईवी जांच नहीं कर रहे। डीसीडब्ल्यू ने दीपचंद बंधु अस्पताल के उदाहरण का हवाला दिया, जहां यौन उत्पीड़न के 180 मामलों में पीड़ितों की मेडिकल जांच तो की गई, लेकिन कुछ ही मामलों में एचआईवी जांच हुई। आयोग ने कहा, 'डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अस्पताल और राव तुलाराम अस्पताल ने बलात्कार पीड़ितों की एचआईवी जांच के संबंध में आंकड़े रखे ही नहीं। इसके अलावा, अस्पतालों ने अधिकांश पीड़ितों की अनुवर्ती एचआईवी जांच और परामर्श, जो तीन और छह महीने के बाद किया जाना चाहिए, उसके आंकड़े भी नहीं रखे।'

आयोग ने यह दावा भी किया कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, राव तुला राम अस्पताल और जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ने कहा कि उनके पास पीड़ितों की अनुवर्ती जांच के बारे में आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। डीसीडब्ल्यू ने कहा कि केवल दो अस्पतालों, आचार्य श्री भिक्षु राजकीय अस्पताल और पश्चिम जिले के गुरु गोबिंद सिंह सरकारी अस्पताल ने सूचित किया है कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें आरोपी की एचआईवी स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान की है। आयोग ने सुझाव दिया है कि सरकार और पुलिस को यौन उत्पीड़न के शिकार लोगों की तत्काल निवारक देखभाल व

एचआईवी का उपचार सुनिश्चित करना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नवरात्रि के दौरान दिवाली जैसा माहौल: सीएम भूपेंद्र पटेल

नवरात्रि उपवास के दौरान सूरत आना मुश्किल है और सूरत को बिना भोजन के छोड़ना:पीएम मोदी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

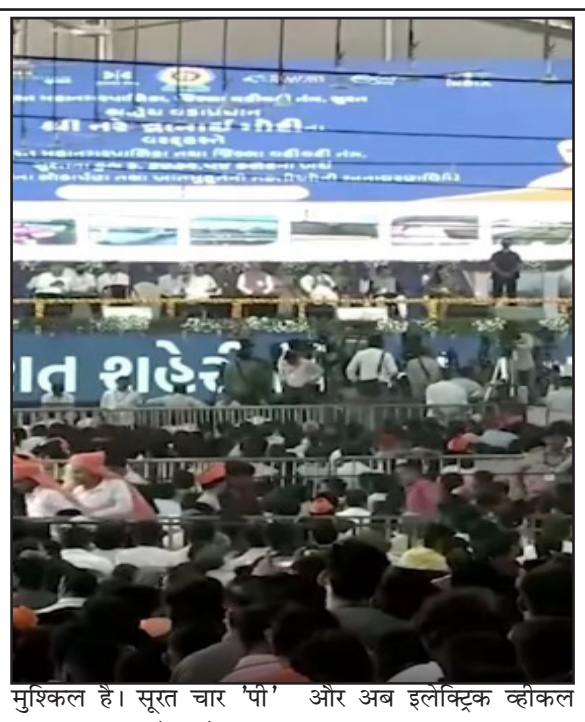

प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर पहुंचे हैं। सूरत एयरपोर्ट पर उतरने के बाद मोदी हेलीकॉप्टर से गोददरा हेलीपैड पहुंचे. इसके बाद हेलीपैड से रोड शो शुरूहुआ। रोड शो के बाद वह खुली गाड़ी में सभा स्थल पहुंचे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि नवरात्रि में सूरत में दिवाली जैसा माहौल होता है. प्रधानमंत्री मोदी ने शहर में 3472.54 करोड़ की 59 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। मोदी ने कहा, नवरात्रि के उपवास के दौरान सूरत आना और बिना भोजन के सूरत से निकलना

मुश्किल है। सूरत चार 'पी' का उदाहरण है और इसे डायमंड सिटी, ब्रिज सिटी और अब इलेक्ट्रिक व्हीकल सिटी के रूप में जाना जाएगा। नवरात्रि पर जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी सूरत के लोगों को संबोधित करने के लिए खड़े हुए , लोगों ने मोदी, मोदी के नारे लगाने शुरू कर दिए। उसके बाद मोदी ने सूरत के लोगों को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। नवरात्रि में व्रत के दौरान सूरत आना थोड़ा मुश्किल होता है। सूरत के जमान के बिना सूरत आना और जाना मुश्किल है। मैं सूरत की भूमि पर बड़े पैमाने पर परियोजनाओं के शुभारंभ का हिस्सा बनूंगा।

मजदूरों का सम्मान करने वाले शहर सूरत ने पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा कि सूरत शहर लोगों की एकता और जनभागीदारी दोनों का उदाहरण है। भारत के हर क्षेत्र के लोग सूरत में रहते हैं। यह एक तरह से मिनी इंडिया है। एक शहर जो श्रम का सम्मान करता है। विकास की दौड़ में जो पीछे छूट जाते हैं उन्हें हाथ पकड़कर आगे बढ़ाया जाता है। सूरत ने पिछले 20 वर्षों में किसी भी अन्य शहर की तुलना में अधिक प्रगति की है। सूरत को देश के सबसे स्वच्छ शहरों में स्थान दिया गया है।

सूरत चार 'प' का उदाहरण

उन्होंने सूरत की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश तीन पी पर काम कर रहा है। जबकि सूरत चार 'प' का उदाहरण बन गया है। लोग, सार्वजनिक, निजी, साझेदारी एक उदाहरण बन गए हैं। सूरत को दुनिया के विकासशील शहर में जगह मिली है।

36 वें राष्ट्रीय खेलों के उदघाटन से पहले पीएम मोदी ने नमो स्टेडियम का वीडियो किया ट्वीट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। गुजरात दौरे की शुरुआत पीएम मोदी ने सूरत से की और उसके बाद भावनगर पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सूरत में रु 3472.54 करोड़ की लागत के 59 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। भावनगर में पीएम मोदी ने भावनगर के अलावा बोटाद और अमरेली के लिए रु 6626 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। जिसमें भावनगर बनने वाला दुनिया का सबसे बड़े सीएनजी टर्मिनल भी शामिल है। भावनगर से

हेलिकॉप्टर के जरिए पीएम मोदी गांधीनगर पहुंचे। शाम 7 बजे अहमदाबाद के मोटेरा स्थित नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में 36वें राष्ट्रीय खेलों का उदघाटन करेंगे। स्टेडियम रवाना होने से पहले पीएम मोदी राजभवन में ठहरेंगे। राष्ट्रीय खेलों केउदघाटन से पहले पीएम मोदी ने नरेन्द्र मोदी स्टेडियम का एक वीडियो जारी किया है। वीडियो ट्वीट करते हुए पीएम मोदी लिखा 'मैं थोड़ी देर में नेशनल गेम्स की शुरुआत कराने नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में पहुंच रहा हूं।'

प्रधानमंत्री आज आद्यशक्तिधाम अंबाजी में 'मुख्यमंत्री गौ माता पोषण योजना' को लॉन्च करेंगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नवरात्रि के पावन अवसर पर शुक्रवार को आद्यशक्ति धाम अंबाजी से गुजरात के गोवंश और गौ माता के रखरखाव की 'मुख्यमंत्री गौ

माता पोषण योजना' को लॉन्च करेंगे। 'मुख्यमंत्री गौ माता पोषण योजना' हमारी भारतीय संस्कृति में गाय को माता और कामधेनु के रूप में दिए गए पूजनीय स्थान और महत्व को उजागर करने वाली योजना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में गोवंश और गाय माता का रखरखाव करने वाली गौशाला और पांजरापोल को आर्थिक सहायता देने के लिए राज्य सरकार ने इस महत्वपूर्ण योजना की घोषणा 2022-23 के बजट में की है। प्रधानमंत्री आद्यशक्ति धाम अंबाजी से इस योजना की विधिवत लॉन्चिंग के अवसर पर प्रतीक के तौर पर पांच गौशाला और पांजरापोल को सहायता की राशि प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सूरत हवाई अड्डे पर ऊष्मापूर्ण स्वागत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार से दो दिवसीय गुजरात यात्रा पर पहुँचे हैं। प्रधानमंत्री ने अपनी गुजरात यात्रा का प्रारंभ सूरत से किया। मोदी गुरुवार सुबह सूरत पहुँचे; जहाँ मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी. आर. पाटिल, मुख्य सचिव पंकज कुमार, सूरत ज़िला कलेक्टर आयुष लोक, सूरत शहर पुलिस आयुक्त अजय तोमर,

सूरत महानगर पालिका आयुक्त बंछानिधि पाणि सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रधानमंत्री का ऊष्मापूर्ण स्वागत किया।

पीएम मोदी ने सूरत शहर व ज़िले को 3472 करोड़ रुपए के 53 विकास कार्यों की भेंट दी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया है कि जब सभी लोगों का प्रयास मिलता है, तब विकास की गति भी तेज़ बनती है औ देश भी तेज़ी से विकसित होता है। मोदी ने नवरात्रि के पावन पर्व पर गुरुवार को सूरत शहर-ज़िले में 3472.54 करोड़ रुपए के विभिन्न 59 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया। उन्होंने सूरत महानगर पालिका के 2429.18 करोड़ रुपए, ड्रीम सिटी प्रोजेक्ट के 369.60 करोड़ रुपए तथा केन्द्र व राज्य सरकार के 673.76 करोड़ रुपए सहित कुल 3472.54 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने जलापूर्ति के 672 करोड़ रुपए के कार्यों, 890 करोड़ रुपए के ड्रैनेज प्रोजेक्ट्स, 139 करोड़ रुपए की लागत वाले बायोडाइवर्सिटी पार्क तथा अन्य विकास कार्यों

पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, हेरिटेज रिस्टोरेशन, सिटी बस/बीआरटीएस इन्फ्रास्ट्रक्चर, इलेक्ट्रिक व्हीकल इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इनके परिणामस्वरूप डाइमंड सिटी ऑफ़ इंडिया के रूप में विख्यात सूरत शहर सहित ज़िले के विकास को अधिक वेग मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में सूरत शहर में हुए विकास से दुनिया के सबसे तेज़ी से विकसित हो रहे शहरों में सूरत का समावेश होता है। सूरत ने देश के अन्य शहरों के सापेक्ष में बहुत ही तेज़ी से प्रगति है। उन्होंने इसकी प्रशंसा की।

नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश के सभी लोगों के सूरत में बसे होने तथा विविधता में एकता दर्शन होने के कारण यह शहर मिनी हिन्दुस्तान की प्रतीति कराता है। श्रम का सम्मान करना सूरत की विशेषता है। यहाँ दक्षता का सम्मान होने के साथ प्रगति की आकांक्षा पूरी होती है और जीवन में आगे बढ़ने के सपने साकार होते हैं।